सूर्योदय 05:44 AM सूर्यास्त 06:54 PM

हिन्दी दैनिक

दिल्ली वार्ता

दिल्ली से प्रकाशित एवं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, बंगाल में प्रसारित।

facebook.com/delhivartanews | x.com/delhivartanews | instagram/vartanews

वर्ष 20 | अंक : 85 | नई दिल्ली, सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | RNI No :- DELHIN/2008/23199 | पृष्ठ - 08, मूल्य ₹ 2, | www.delhivarta.com

‘मां, माटी मानुष’ सबसे बड़ा धोखा

पीएम मोदी का ममता बनर्जी पर सीधा वार, रोड़ शो में उमड़ा जनसैलाब

• कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में रविवार को धुआंधार प्रचार किया। उन्होंने अपनी रैलियों में पहली बार जहां घुसपैठियों को खुली चेतावनी दी तो वहीं दूसरी ओर शरणार्थियों को गारंटी। पीएम मोदी ने शाम को कोलकाता के उत्तरी हिस्सा में एक बड़ा रोड शो भी किया। पीएम मोदी ने नॉर्थ कोलकाता में अपना रोड शो शुरू करने से पहले थंथनिया कालीबाड़ी में मां काली का आशीर्वाद लिया।

ममता पर तीखा हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। पीएम मोदी ने महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों और सुरक्षा के मुद्दे को केंद्र में रखते हुए ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने अपने ही नारे 'मां, माटी, मानुष' के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा, ''मां' रो रही है, 'माटी' घुसपैठियों के साथ है और 'मानुष' डरा हुआ है।' पीएम ने टीएमसी पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह नाकाम रहने का आरोप लगाया।

अपनी बात को पुख्ता करने के लिए पीएम मोदी ने राज्य की कई दर्दनाक घटनाओं का हवाला दिया, जिसमें आरजी कर अस्पताल मामला, कामदुनी मामला और संदेशखाली जैसे मामले शामिल हैं।

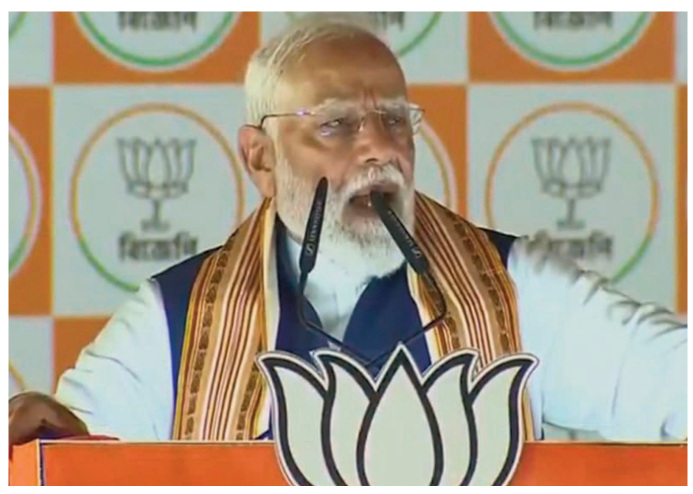

मां काली से लिया आशीर्वाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तरी कोलकाता में अपना ऐतिहासिक रोडशो शुरू करने से पहले थंथनिया कालीबाड़ी में मां काली का आशीर्वाद लिया। थंथनिया कालीबाड़ी कोलकाता के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित काली मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 1703 में हुई थी। इसका 300 साल पुराना इतिहास शहर के औपचारिक विकास से भी पहले का है। मां काली की पूजा 'मां सिद्धेश्वरी' के रूप में की जाती है। यहां की अधिष्ठात्री देवी को 'जागृत' माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि रामकृष्ण परमहंस अक्सर इस मंदिर में आते थे और मां सिद्धेश्वरी के भजन गाते थे। मंदिर के अंदर उन्होंने जो 'वाणी' कही थी, उसे दीवारों पर उकेरा गया है, जिस पर लिखा है। 'शंकरेर हृदोय माझे, काली बिराजे' (मां काली शंकर के हृदय में निवास करती हैं)।

इससे पहले रविवार दोपहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 परगना जिले के बनगांव में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित किया। पीएम मोदी ने ममता बनर्जी की सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे 'जंगलराज' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण की वोटिंग में ही टीएमसी का घमंड टूट चुका है और अब दूसरे चरण में बीजेपी की जीत पक्की है। पीएम ने जनता से टीएमसी के भ्रष्टाचार, डर और गुंडागर्दी से आजादी पाने के लिए बीजेपी को वोट देने की अपील की।

संदेशखाली और महिला सुरक्षा पर सवाल

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से संदेशखाली की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि टीएमसी के राज में बहनें और बेटियां सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार गुंडों का साथ दे रही है और बेटियां गायब हो रही हैं। पीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए वादा किया कि 4 मई के बाद बीजेपी सरकार गुंडों से एक-एक करके हिसाब लेगी।

महिला वोटर्स के लिए ममता बनर्जी की योजनाएं

बंगाल में महिला वोटर्स को ममता बनर्जी का सबसे मजबूत समर्थक माना जाता है। मुख्यमंत्री ने पिछले कुछ सालों में उनके लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। इसमें लक्ष्मी भंडार (हर महीने नकद सहायता), ...

» शेष पेज 7 पर

बगावत के बीच बंगाल पहुंचे केजरीवाल, कहा-बंगाल के लोग आतंकवादी हैं क्या?

• कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की प्रचार गतिविधियां तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कमजोर पीएम बताया और आरोप लगाया कि राज्य में लगभग 27 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। केजरीवाल ने रविवार को उत्तर कोलकाता के बेलेघाटा में तृणमूल कांग्रेस के प्रचार के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मैं दिल्ली से आपके पास आया हूं। यह कोई साधारण चुनाव नहीं है, बल्कि देश को बचाने और लोकतंत्र की रक्षा का चुनाव है। भाजपा ने अपना पूरा तंत्र बंगाल में लगा दिया है। यह बंगाली अस्मिता और बंगाल के लोगों की गरिमा पर हमला है। पूरा बंगाल भाजपा, अमित शाह और मोदी जी को लोकतंत्र बचाने के लिए करारा जवाब देगा और उन्हें बुरी तरह हराएगा।'

आप संयोजक ने कहा, 'सोशल मीडिया पर देखिए, लोग प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हैं, उनके खिलाफ मीम्स बना रहे हैं। मोदी जी ईमानदारी से चुनाव नहीं जीत सकते। मोदी के हैं तीन यार- ED, CBI और ज्ञानेश कुमार।' उन्होंने कहा कि पूरे देश से यहां सेना को बुलाया गया है, इसकी क्या जरूरत है? क्या बंगाल के लोग आतंकवादी हैं? यह बंगाल के लोगों का अपमान है। यहां साढ़े 3 लाख सैन्य बल तैनात किए गए हैं, उन्हें किस

बात का डर है? इतना सब होने के बाद भी अगर मोदी जी चुनाव हार जाते हैं तो बंगाल की जनता उनसे पूछना चाहती है कि क्या वह इस्तीफा देंगे?

इतना कमजोर प्रधानमंत्री नहीं देखा

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आगे कहा, '75 साल में इतना कमजोर प्रधानमंत्री नहीं देखा गया। सोशल मीडिया पर मोदी और अमित शाह का खूब मजाक उड़ रहा है। प्रधानमंत्री अंत-रराष्ट्रीय मंचों पर भी मजबूती से नहीं बोल पा रहे हैं। वे केवल गंदी राजनीति कर रहे हैं। यह पूरा चुनाव SIR के इर्द-गिर्द लड़ा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 27 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। अगर आप मतदाता नहीं हैं, तो आपकी नागरिकता पर सवाल उठता है। मैं प्रभावित लोगों से अपील करता हूं कि वे ममता दीदी के साथ खड़े हों और घर-घर जाकर उनके लिए प्रचार करें।'

केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि

» शेष पेज 7 पर

एक नजर...

आप सांसदों के बीजेपी में शामिल होने पर कांग्रेस ने कसा तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने संबंधी खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि खुद को सदाचारी बताने वाले लोग अब फिर बेनकाब हो गये हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर इन खबरों के सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तंज किया है और कहा है कि भाजपा की वाशिंग मशीन अब फिर सक्रिय हो गई है।

उन्होंने लिखा "भाजपा की वॉशिंग मशीन फिर से सक्रिय हो गई है, साथ ही मोदी वॉशिंग पाउडर भी। जो लोग खुद को सदाचार, ईमानदारी और विचारधारा के आदर्श के रूप में पेश करते थे, वे अब बुरी तरह बेनकाब हो चुके हैं।'

कोई भी अपराधी अब पुलिस की नजरों से बच नहीं सकेगाः ओम बिरला

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान के कोटा शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों को कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) तकनीक से जोड़ने के निर्देश दिए हैं ताकि निगरानी और अधिक प्रभावी हो सके।

बिरला शनिवार को कोटा सर्किट हाउस में निर्भया फंड के तहत प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में पुलिस विभाग के प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए यह निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोई भी अपराधी अब पुलिस की नजरों से बच नहीं सकेगा। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए दो पिंक पेट्रोलिंग वैन शुरू करने और प्रमुख स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज के विश्वास से जुड़ा मुद्दा है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण मिल सके। इस दौरान राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

अगले हफ्ते लेह का दौरा करेंगे गृहमंत्री अमित शाह

लेह। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर लेह आएंगे। लद्दाख के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने रविवार को यह जानकारी दी।

सक्सेना ने बताया कि गृह मंत्री एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह साझा करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एक मई को वह बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि देंगे और एक से 14 मई तक लद्दाख में आयोजित होने वाली पवित्र प्रदर्शनी के आध्यात्मिक महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे।''

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री का यह दौरा लद्दाख के विकास के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष 29 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे, जहां क्षेत्र में पहली बार इसकी प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (प्राचीन कपिलवस्तु) से प्राप्त ये अवशेष एक मई से 14 मई तक चोगलामसर स्थित जिवेत्साल में प्रदर्शित किए जाएंगे।

इस दौरान गृह मंत्री के विभिन्न प्रशासनिक और सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने की भी संभावना है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों के साथ विकास परियोजनाओं की समीक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति पर

» शेष पेज 7 पर

साइकिल रैली

श्रीनगर में रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल होते केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री मनसुख मांडविया।

फोटो : PIB

व्हाइट हाउस शूटिंग पर बोले पीएम मोदी, लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं

• नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस में शनिवार रात को संवाददाताओं के रात्रिभोज के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई। रात्रिभोज के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि रात्रिभोज के दौरान हुई गोलीबारी की मैं निंदा करता हूँ। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प, उनकी पत्नी और उप-राष्ट्रपति वेंस की सुरक्षा और कुशलता की कामना की। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा की कोई जगह नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया और कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी पत्नी और उपराष्ट्रपति वेंस की निरंतर सुरक्षा और कुशलता के लिए मंगल कामना करता हूं। यह जानकर राहत मिली कि वाशिंगटन में हुई गोलीबारी की घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी तथा उपराष्ट्रपति सुरक्षित हैं। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए।

व्हाइट हाउस में रात्रिभोज के दौरान हुई इस गोलीबारी की घटना के बाद ट्रंप और अमेरिका के अन्य शीर्ष नेताओं को वहां से निकाला गया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस बॉलरूम के बाहर हुई जहां ट्रंप और अन्य अतिथि मौजूद थे। हालांकि, घटना के सटीक कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका। कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है और इसे बाद में आयोजित किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि 31 वर्षीय हमलावर कैलिफोर्निया से था, जिसे सीक्रेट सर्विस ने पकड़ लिया है। घटना के बाद ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं को संबोधित किया और बताया कि संदिग्ध के पास कई हथियार थे। एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई।

बंगाल में BJP आई तो 'गुंडा-सिंडिकेट राज' खत्म होगाः अमित शाह

• कोलकाता, एजेंसी

अप्रैल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य में ''गुंडा राज'' और ''सिंडिकेट राज'' का अंत करेगी। नदिया जिले के तेहट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का सफाया कर दिया है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा ने 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनाव में 110 सीटें जीत ली हैं।'' शाह ने कहा, ''अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो यहां 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत हो

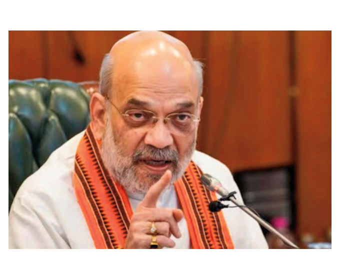

जाएगा। मतदान करने से न डरें, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त व्यवस्था की है। कोई भी आपको वोट डालने से नहीं रोक पाएगा।'' उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह ''राज्य में छिपे घुसपैठियों'' की पहचान करेगी और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता को कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ के बावजूद अचानक हुई भारी बारिश के कारण अपना भाषण छोटा करना पड़ा।

CJI सूर्यकांत की युवाओं को नसीहत, विवेकानंद की तरह चरित्र बनाएं

• नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने हाल ही में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण संदेश दिए। भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें मजबूत चरित्र और जिम्मेदारी सिखाने पर जोर दिया।

वहीं, जयपुर में 'एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज' के कार्यक्रम में उन्होंने न्यायपालिका पर जनता के भरोसे और पूर्व न्यायाधीशों के अनुभव की महत्ता पर बात की।

छात्रों के लिए खास संदेश

भिवानी में छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि केवल अकादमिक डिग्रियां ही

सफलता का रास्ता नहीं होतीं। उन्होंने कहा, 'सफलता अनुशासन, मेहनत, समय का सही उपयोग और हमेशा नया सीखने की इच्छा से मिलती है।'

उन्होंने शिक्षा का व्यापक उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसका मतलब सिर्फ रोजगार पाना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और अच्छे नैतिक मूल्य विकसित करना होना चाहिए। उन्होंने छात्रों को स्वामी विवेकानंद और नेल्सन मंडेला जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर देश और समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि न्यायपालिका और उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का बहुत गहरा विश्वास है। इस विश्वास को बनाए रखना हर किसी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की तुलना राजस्थान की 'बावड़ियों' से की।

उन्होंने कहा कि जिस तरह बावड़ियां सूखे के समय पानी का काम आती हैं, उसी तरह पूर्व न्यायाधीशों का अनुभव आज भी बहुत कीमती है। उनका ज्ञान लोक अदालतों और मध्यस्थता जैसे कामों में समाज के लिए एक बहुमूल्य संसाधन की तरह है।

अलविदा

अपनी तस्वीरों से इतिहास को जीवंत करने वाले मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का निधन

• नई दिल्ली, एजेंसी

देश के दिग्गज फोटो जर्नलिस्ट और प्रतिष्ठित फोटोग्राफर Raghu Rai का रविवार को 83 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी उनके परिवार ने सोशल मीडिया के जरिए दी। आज शाम 4 बजे दिल्ली के लोधी श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। रघु राय को भारतीय फोटोग्राफी और फोटो पत्रकारिता का 'जनक' माना जाता है। उन्होंने अपने पांच दशक से अधिक के करियर में देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घटनाओं को अपने कैमरे के जरिए अमर कर दिया।

इतिहास को कैमरे में किया कैद

रघु राय का जन्म 1942 में अविभाजित भारत के झंग (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्होंने 1962 में फोटोग्राफी को अपना करियर बनाया। उन्होंने आधुनिक भारतीय इतिहास की कुछ सबसे मार्मिक और अहम घटनाओं को अपने कैमरे में कैद किया।

पूर्व प्रधानमंत्री Indira Gandhi के साथ उन्होंने लंबे समय तक काम किया और उनके कार्यकाल के कई ऐतिहासिक पल कैमरे में दर्ज किए। Mother Teresa पर की गई उनकी फोटोग्राफी को दुनिया भर में काफी सराहा गया।

1972 का बांग्लादेश शरणार्थी संकट और 1984 की भीषण भोपाल गैस त्रासदी

की उनकी तस्वीरें इतनी प्रभावशाली थीं कि उन्होंने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था।

नवीन पटनायक ने दी श्रद्धांजलि

रघु राय के निधन पर देशभर से शोक संदेश आ रहे हैं। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री Naveen Patnaik ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें याद करते हुए दुख जताया। उन्होंने लिखा, 'दिग्गज फोटो जर्नलिस्ट रघु राय के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने भारत की आत्मा, यहां के लोगों और रोजमर्रा के जीवन को संजोया, जो हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा अंकित रहेगा।'

पटनायक ने आगे कहा कि रघु राय की विरासत आने वाली पीढ़ियों के कहानीकारों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

दरअसल, ताजा जानकारी के अनुसार रघु राय का निधन लंबे समय से चली आ रही बीमारी के बाद हुआ। उनके परिवार ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे थे और हाल के दिनों में उनकी हालत ज्यादा बिगड़ गई थी।

उनके निधन के बाद देशभर में कला, संस्कृति और राजनीति से जुड़े लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। कांग्रेस अध्यक्ष Mallikarjun Kharge समेत कई नेताओं ने उन्हें भारतीय फोटो पत्रकारिता का ऐसा स्तंभ बताया, जिन्होंने अपने कैमरे से "भारत की आत्मा" को दुनिया के सामने रखा।

रघु राय न केवल भारत में बल्कि अंत-रराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान रखते थे। वे प्रतिष्ठित मैग्नम फोटोज एजेंसी से जुड़े रहे और उन्हें पद्मश्री सहित कई राष्ट्रीय व अंत-रराष्ट्रीय सम्मान मिले। उनकी तस्वीरें आज भी भारत के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास का जीवंत दस्तावेज मानी जाती हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

दिल्ली वार्ता

संक्षिप्त खबरें

पुलिसकर्मी ने मजदूरों पर चलाई गोली, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका के जाफरपुर कला इलाके में देर रात फायरिंग का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में पोस्टेड एक हेड कांस्टेबल ने फायरिंग की जिसमें दो मजदूर घायल हो गए। बाद में इनमें से एक मजदूर की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक हेड कांस्टेबल फरार है और पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। द्वारका के आउटर इलाके जाफरपुर कला में कल रात दो बजे करीब स्पेशल सेल में तैनात हैंड कांस्टेबल नीरज ने गोली चलाई जिसमे एक मजदूर की मौत हो गई, एक घायल हुए।

पुलिस के मुताबिक हेड कांस्टेबल नीरज का घर जाफरपुर कला की मेन रोड पर है, इसी दौरान अंदर कलौनी में कुछ मजदूर रहते हैं। मजदूर पार्टी कर रहे थे और शराब के नशे में थे। शोर शराबे को लेकर बहसबाजी हुई और हेड कांस्टेबल ने गोली चला दी।

क्या कांस्टेबल भी शराब के नशे में था इस बात की की जांच की जा रही है। आरोपी कांस्टेबल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। बॉडी का पोस्टमोर्टम करवाकर बॉडी परिवार को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस का बड़ा ऐक्शन, 11,800 से अधिक वाहन चालकों पर जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने हाल ही में राजधानी की सड़कों पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए तीन घंटे का एक स्पेशल अभियान चलाया। इस सघन कार्रवाई के दौरान कुल 11,800 से अधिक वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस का मुख्य ध्यान गलत पार्किंग और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर था क्योंकि इनसे अक्सर बड़े हादसे और जाम लगते हैं। आंकड़ों के अनुसार; 8,500 से ज्यादा लोगों पर गलत पार्किंग और 3,500 से अधिक पर गलत दिशा में गाड़ी चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया। पुलिस ने आगे भी ऐसे सख्त अभियान जारी रखने की बात कही है।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरे शहर में चलाया गया। दिल्ली ट्रैफिक महज तीन घंटे के इस स्पेशल अभियान के दौरान 11,800 से अधिक वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया। अभियान का मकसद गलत पार्किंग और गलत दिशा में गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई करना था।

अधिकारियों ने बताया कि यह सघन अभियान शनिवार को सभी ट्रैफिक रेंज और जिलों में चलाया गया। अभियान का मकसद ट्रैफिक जाम को कम करना और सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाना था। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने दो मुख्य वजहों पर फोकस किया जिनकी वजह से अक्सर दिल्ली में ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाएं होती हैं।

अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान, 8,500 से अधिक वाहन चालकों पर गलत या ट्रैफिक में रुकावट डालने वाली पार्किंग के लिए केस दर्ज किया गया। जांच टीमों ने नो-पार्किंग जोन, चौराहों के पास, फुटपाथों पर और व्यस्त सड़कों एवं बाजारों में पार्क किए गए वाहनों को निशाना बनाया गया। इनमें से कई वाहनों को टो करके हटाया गया।

यही नहीं 3,500 से अधिक वाहन चालकों पर गलत दिशा में गाड़ी चलाने के लिए कार्रवाई की गई। इस अभियान के लिए दुर्घटना की अधिक संभावना वाले इलाकों, मुख्य सड़कों और उन जगहों पर विशेष टीमें तैनात की गईं जहां अक्सर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होता रहा है।

पुलिस ने बताया कि अभियान में सभी तरह के वाहनों पर कार्रवाई की गई। एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) विजयांता गोयल आर्य ने कहा कि इस तरह के नियमों के उल्लंघन न केवल ट्रैफिक की आवाजाही में रुकावट डालते हैं वरन आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं।पुलिस ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने और लोगों में जागरूकता फैलाने के उपायों के तहत इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कपिल सांगवान गैंग का बदमाश, अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के कुख्यात बदमाश को अवैध हथियार के साथ क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान द्वारका नार्थ के आदित्य मिश्रा के रूप में हुई है। आरोपित के कब्जे से दो पिस्टल, तीन कारतूस और अपराध में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी बरामद हुई है।

आरोपित इम्फाल से बीटेक कर चुका है और कपिल सांगवान द्वारा व्यापारी से रंगदारी मांगे जाने पर पीड़ित पर रंगदारी दिए जाने का दबाव बना रहा था। पुलिस इससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, राजधानी में हाल ही में संगठित अपराध, रंगदारी, हथियारों से लैस हमले और हथियारों के गैर-कानूनी इस्तेमाल की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए क्राइम ब्रांच सक्रिय और कुख्यात अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

इसी के तहत गुप्त जानकारी मिलने पर एसीपी भगवती प्रसाद की देखरेख में और इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सात अप्रैल को यूईआर-II, पोचनपुर गांव, द्वारका के पास जाल बिछाया और आरोपित आदित्य को स्कूटी चलाते हुए देखा। उसने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

तलाशी के दौरान, उसके कब्जे से एक पिस्टल और दो कारतूस मिले। उसकी निशानदेही पर एक खास जगह से एक सिंगल-शाट पिस्टल, एक कारतूस और एक खाली बंदूक बरामद हुई।

पूछताछ में पता चला कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने कापसहेड़ा के एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। इस मामले में 11 मार्च को कपासहेड़ा थाने में केस दर्ज हुआ था।

पूछताछ में पता चला कि आरोपित आदित्य पीड़ित और गैंग्सटर दोनों के सीधे संपर्क में पाया गया और वह पीड़ित पर गैंग्सटर के पक्ष में मामला निपटाने के लिए दबाव डाल रहा था।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पढ़े-लिखे परिवार से है। उसके पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उसने अपनी स्कूल की पढ़ाई द्वारका से पूरी की और बाद में इम्फाल से बीटेक किया। 2021 में दिनेश उर्फ बंटी अहलावत के जरिए अशोक प्रधान गिरोह के शूटर रोहित लांबा से जुड़ गया और आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। 2024 में वह विकास गहलोत के संपर्क में आया, जिसने उसे गैंग्सटर कपिल सांगवान उर्फ नंदू से मिलवाया। इसके बाद, उसने नंदू गिरोह के लिए काम करना शुरू कर दिया और सिग्नल ऐप के जरिए संपर्क में रहा। गैंग्सटर कपिल सांगवान के निर्देशों पर काम कर रहा था और रंगदारी की गतिविधियों में शामिल था।

स्टेशनरी गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल टीम ने 5 घंटे में पाया काबू

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के खेड़ा कलां गांव में बीती रात स्टेशनरी गोदाम में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 10 गाडियां बुलानी पड़ीं। बताया गया कि आग बुझाने में लगभग पांच घंटे लगे। जानकारी के अनुसार, दमकलकर्मियों को गोदाम की दीवार भी तोड़नी पड़ी। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अभी आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

शराब तस्कर गिरफ्तार, 35 लाख की वाइन बरामद

नोएडा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर अवैध शराब तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। आरोपी के पास से लाखों रुपये की अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गत शनिवार को पुलिस और आबकारी विभाग की टीम को सूचना मिली कि हरियाणा से अवैध शराब की एक बड़ी खेप ट्रक के माध्यम से क्षेत्र में लाई जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने इलाके में घेराबंदी कर जांच अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध ट्रक को रोका गया और तलाशी लेने पर उसमें से 237 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद हुई। इसकी अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है।

स्कूली बच्चों से श्रमिकों सभी के लिए लू से सुरक्षा कवच! अलर्ट मोड पर दिल्ली सरकार

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की विस्तृत समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने अपनी रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है, साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं।

वैज्ञानिक डेटा और 'थर्मल हॉटस्पॉट' पर विशेष नजर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के 'थर्मल हॉटस्पॉट' और 'हीट आइलैंड' क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। इस बार सरकार ने दिल्ली के चप्पे-चप्पे का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है।

साउथ दिल्ली में पारा 45 पार

सैटेलाइट डेटा के आधार पर उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहां तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है। इसमें दक्षिण दिल्ली का आयानगर अत्यंत संवेदनशील है, जहां पूर्व में 45.5 डिग्री तापमान दर्ज किया जा चुका है। इसी तरह पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में 43.7 डिग्री (2025 का उच्चतम) और सफदरजंग में 46.8 डिग्री (2023 का उच्चतम) तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा वजीरपुर, जहांगीरपुरी, ख्याला, शास्त्री पार्क, विश्वास नगर, हरकेश नगर, हरि नगर और दिल्ली गेट जैसे इलाके प्रमुख थर्मल हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं। साथ ही, बाहरी दिल्ली की सीमाओं से सटे और घनी आबादी वाले इलाके जैसे सावदा, मुबारकपुर डबास, भलस्वा, नंद नगरी, गोकुलपुरी, और बक्करवाला में भी 'हीट आइलैंड' का गहरा प्रभाव देखा गया है। इन विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सरकार ने विशेष सुरक्षा चक्र तैयार किया है। इन जगहों के स्वास्थ्य केंद्रों में अधिक ओआरएस पैकेट्स, क्विक रेस्पॉन्स टीमों (क्यूआरटी) की तैनाती, पानी के अधिक टैंकरों की व्यवस्था आदि शामिल है।

पशु-पक्षियों और बेजुबानों के लिए विशेष निर्देश

मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सभी विभागों, विशेषकर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), शिक्षा विभाग और दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी पानी और छाया की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी प्रमुख पार्कों, बस डिपो और स्कूल परिसरों में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन और आवारा पशुओं के लिए विशेष जल संरचनाएं बनाई जा रही हैं।

स्कूली बच्चों और श्रमिकों के लिए सुरक्षा कवच

मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइ-ड्रेशन का खतरा न रहे। बहुत अधिक हीट वेव की अवस्था में निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के लिए दोपहर 12:00 से 03:00 बजे के बीच बाहरी कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके अलावा कार्यस्थलों पर मजदूरों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि धूप से बचाव के लिए कैप (टोपी) और गमछे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ही प्राथमिक चिकित्सा किट और आइस पैक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

'कूल रूफ' और हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली अब 'कूल रूफ पॉलिसी 2026' की ओर बढ़ रही है। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा। इसके अलावा, बस स्टॉप को ठंडा रखने के लिए 'हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम' और कंक्रीट के जंगलों को ठंडा करने के लिए 'एंटी-स्मॉग गन्स' का भी प्रयोग किया जाएगा।

आपातकालीन तैयारी और हेल्पलाइन

मुख्यमंत्री के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने सभी 13 जिलों में 339 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और 30 से अधिक अस्पतालों में विशेष '5-बेड वाले कूल रूम' तैयार किए हैं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक दिल्ली सरकार की 24x7 हेल्पलाइन 1077, 1070 या 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 39 क्विक रेस्पॉन्स टीमें व प्रशिक्षित आशा वर्कर्स को भी एलर्ट मोड में रखा गया है। कई स्थलों पर पीने का ठंडा पानी व ओआरएस घोल की व्यवस्था की जाएगी, विशेषकर व्यस्त बस स्टॉपों व बस टर्मिनल पर पानी की रेहड़ी आदि खड़ी करने का निर्णय लिया गया है।

बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए विशेष निर्देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राजधानी में इस वर्ष गर्मी के दौरान बिजली की मांग एक नया रिकॉर्ड बना सकती है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। इस भारी मांग को देखते हुए हमने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार अस्पतालों, जल उपचार संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) और मोबाइल टावरों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर 24×7 निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्राथमिकता प्रोटोकॉल लागू किया गया है। बिजली कंपनियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि वे ट्रांसफार्मर और तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए अतिरिक्त क्विक रिस्पांस टीमें और मोबाइल ट्रांसफार्मर तैनात रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में आपूर्ति को तत्काल बहाल किया जा सके।

इंजन फेल होने की वजह से रोकी दिल्ली-ज्यूरिख फ्लाइट, 6 यात्री घायल

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होने से बच गया। ज्यूरिख जा रही स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन्स की फ्लाइट के इंजन में तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट ने रनवे पर ही विमान को रोक दिया। इंजन फेल होने के शक और विमान से धुआं निकलने के बाद इमरजेंसी स्थिति में यात्रियों को बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि छह यात्रियों को मेडिकल सहायता दी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक ए330 विमान से संचालित ज्यूरिख जाने वाली उड़ान एलएक्स147 के एक 'लैंडिंग गियर' की बाईं ओर से धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद चालक दल ने उड़ान भरने की प्रक्रिया बीच में ही रोक दी और पूर्ण आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू कर दी गई। विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने विस्तृत बयान में बताया कि विमान में 228 यात्री और चार शिशु सवार थे। प्रवक्ता ने कहा, भारतीय समयानुसार शनिवार रात एक बजे के आसपास उड़ान भरने के दौरान इंजन में समस्या आई। चालक दल ने विमान को उड़ान भरने से रोक दिया और स्थिति का आकलन करने के बाद एहतियातन विमान खाली कराने का फैसला लिया।

उन्होंने बताया, सभी यात्रियों और क्रू मेंबर के सदस्यों को 'इमरजेंसी स्लाइड' के जरिए फ्लाइट से बाहर निकाला गया। छह यात्रियों को मेडिकल सहायता दी जा रही है। जो यात्री स्लाइड का इस्तेमाल करने में असमर्थ थे, उनके लिए सीढ़ियों की व्यवस्था की गई।

उन्होंने यह भी बताया कि स्विट्जरलैंड के तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम विमान की जांच के लिए दिल्ली आएगी। साथ ही सभी यात्रियों के लिए आगे की यात्रा की वैकल्पिक व्यवस्था करने पर तेजी से काम किया जा रहा है।

शातिर झपटमार गिरफ्तार, 7 मोबाइल और स्कूटी बरामद

• नई दिल्ली, एजेंसी

कल्याणपुरी थाना पुलिस ने एक शातिर झपटमार को गिरफ्तार किया है। झपटमार की पहचान फैजान के रूप में हुई है। इसके पास से झपटमारी के सात मोबाइल व वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है।

जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रावल ने बताया कि सूचना मिली थी कि स्कूटी सवार बदमाश ने एक युवक से मोबाइल झपटा है। पुलिस को मौके पर शिकायतकर्ता गगन मिला।

पीड़ित ने बताया कि वह मार्केट से सामान लेकर घर जा रहा था। रास्ते मे बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने केस दर्ज किया।

केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को बारीकी से खंगालना शुरू किया। तकरीबन 35 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद एक संदिग्ध की पहचान फैजान उर्फ अप्पे के रूप में हुई।

पुलिस को सीसीटीवी फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से झपटे गए सात लोगों के मोबाइल बरामद हुए।

केजरीवाल के नए बंगले पर विवाद, BJP ने बताया 'शीश महल -2'

• नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नए सरकारी बंगले को लेकर भी विवाद सामने आया है। बीजेपी ने नए बंगले को 'शीश महल-2' करार दिया है। शुक्रवार को दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बंगले के अंदर के अंदर की तस्वीरें भी दिखाई थीं।

प्रवेश वर्मा द्वारा शेयर की गईं तस्वीरों को आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह से फर्जी करार दिया है। पार्टी ने कहा था कि तस्वीरें इंटरनेट से ली गई हैं। बंगले को लेकर जारी विवाद पर दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल विलासित के भूखे हैं।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा 'कल शीश महल-2 का जो जिक्र आया है। वो ये दिखाता है कि अरविंद केजरीवाल विलासित के भूखे हैं। मैं सुन रहा था कि संजय सिंह और आतिशी जिस तरह से कह रहे थे कि इंटरनेट से डाउनलोड किए गए हैं।

मैं उन्हें चुनौती देता हूं कल जो प्रवेश जी ने जो तस्वीरें दिखाई हैं वो वे रिप्लिका हैं जो अरविंद केजरीवाल के घर में उससे भी बेहतर फर्नीचर इस्तेमाल किया गया है। और अगर आतिशी को बहुत चुनौती देने का मन है तो मैं सिर्फ एक लाइन कहता हूं कि केजरीवाल बताएं कि 'माय फर्नीचर माय वे' क्या है। ये फर्नीचर कहां से आया है वो इस एक लाइन में छिपा हुआ है। और अगर बहुत ही ज्यादा जानने के उत्सुक हैं तो है वो खुद बताए या हम बताए यह उनको तय करना है।'

आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रवेश वर्मा द्वारा जारी कि गई सारी तस्वीरें फर्जी करार दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि 'प्रवेश वर्मा द्वारा जारी कि गई सारी तस्वीरें फर्जी हैं। वे केजरीवाल जी के घर की तस्वीरें नहीं हैं। किसका घर कितना आलीशान है, इसका पता करने के लिए रेखा गुप्ता जी और LG साहिब अपना अपना घर खोल दें और केजरीवाल जी अपना घर खोल देंगे। जनता खुद तय कर लेगी।'

आप नेता और सांसद संजय सिंह ने शनिवार को चेतावनी दी कि जिन लोगों ने भी केजरीवाल के घर की फर्जी तस्वीरें प्रचारित की है उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया जाएगा।

IPL मैच के चलते सोमवार को 7 घंटे तक रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, इन रूट्स से बचें

• नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के तहत सोमवार को होने वाले दिल्ली कैपिटल्स बनाम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बीच मुकाबले को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

यह मैच अरुण जेटली स्टेडियम, फिरोज शाह कोटला ग्राउंड पर शाम सात बजे से खेला जाएगा। मैच के मद्देनजर आम जनता की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेडियम के आसपास कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, आवश्यकता के आधार पर बहादुरशाह जफर मार्ग और जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर डायवर्जन लागू किया जाएगा। दरियागंज से बहादुरशाह जफर मार्ग और गुरु नानक चौक से आसफ अली रोड तक भारी और व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

आम यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे शाम पांच बजे से रात 12 बजे के बीच इन मार्गों का उपयोग करने से बचें, क्योंकि इस दौरान स्टेडियम की ओर दर्शकों की भारी भीड़ रहेगी।

प्रतिबंधित मार्गों में जेएलएन मार्ग (राजघाट से दिल्ली गेट और कमला मार्केट राउंडअबाउट तक), आसफ अली रोड (तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट) और बहादु-रशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट से रामचरण अग्रवाल चौक तक) शामिल हैं। इन सड़कों पर किसी भी प्रकार की पार्किंग की अनुमति नहीं होगी और उल्लंघन करने वाले वाहनों को तुरंत हटाया जाएगा।

स्टेडियम में प्रवेश के लिए गेट नंबर 1 से 8 दक्षिणी दिशा में बहादुरशाह जफर मार्ग से, गेट नंबर 10 से 15 पूर्वी दिशा में जेएलएन मार्ग से और गेट नंबर 16 से 18 पश्चिमी दिशा में बहादुरशाह जफर मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा।

पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। स्टेडियम के पास आम दर्शकों के लिए पार्किंग की सुविधा नहीं होगी। केवल वैध पार्किंग लेबल वाले वाहनों को ही निर्धारित पार्किंग स्थलों जैसे जेपी पार्क, विक्रम नगर पार्किंग के पास में प्रवेश मिलेगा। बिना लेबल वाले वाहनों को स्टेडियम के आसपास आने की अनुमति नहीं होगी। दर्शकों की सुविधा के लिए 'पार्क एंड राइड' सेवा उपलब्ध कराई गई है।

माता सुंदरी रोड, वेलोड्रोम रोड, शांति वन और राजघाट क्षेत्र से बसें मैच शुरू होने से दो घंटे पहले चलना शुरू करेंगी और मैच समाप्ति के एक घंटे बाद तक उपलब्ध रहेंगी।

वहीं ऐप-आधारित टैक्सी उपयोग-कर्ताओं के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (गेट नंबर 2 के पास), राजघाट चौक और आईटीओ फ्लाईओवर के निकट निर्धारित पिक-अप और ड्रॉप पाइंट तय किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों के उपयोग की सलाह दी है।

मौसम अपडेट

आसमान से बरस रही आग, 2 दिन बाद मिल सकती है भीषण गर्मी से राहत

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में भीषण गर्मी और लू कहर बरपा रही है। शनिवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के सफ-दरजंग मानक वेधशाला में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री अधिक 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को भी दिल्ली के कई इलाकों में लू की स्थिति महसूस की गई है।

मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में लू महसूस किए जाने का यह लगातार चौथा दिन रहा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए भीषण लू चलने का 'येलो अलर्ट' जारी किया था। इन स्थितियों के जारी रहने के बीच जल्द ही मौसम बदलने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को दिल्ली के साथ ही एनसीआर में मौसम का मिलाजुला रुख देखने को मिलेगा। इस दिन छिटपुट आंशिक रूप से बादल नजर आ सकते हैं।

दिल्ली के साथ ही एनसीआर में अलग-अलग जगहों पर लू चलने का भी येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दोपहर के समय अचानक से मौसम करवट भी ले सकता है। इस दिन गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। दिन के वक्त हवा की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है। कभी-कभी यह बढ़कर 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

28 अप्रैल से बदलेगा मौसम

मौसम विभाग ने मंगलवार यानी 28 अप्रैल से मौसम के पूर तरह करवट लेने की संभावना है। इस दिन दिल्ली के साथ ही एनसीआर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जो बाद में पूरी तरह से छा जाएंगे।

मौसम विभाग के अनुसार, 28 और 29 अप्रैल को दिल्ली के साथ ही एनसीआर में दिन में तेज हवाओं और गरज चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी देखी जा सकती है। 28 और 29 अप्रैल को हवा की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। झोंकों के रूप में यह 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा सकती है।

दो मई तक का हाल

मौसम विभाग के अनुसार, 30 अप्रैल को दिल्ली के साथ ही NCR में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन शाम को गरज चमक की भी संभावना है। इसके बाद पहली और 2 मई को दिल्ली-NCR में मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के अलग-अलग से लेकर छिटपुट इलाकों में लू की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। फिर इसमें कमी आएगी।

IMD के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी भारत में 28 अप्रैल से 2 मई के बीच, मध्य भारत में 27 से 30 अप्रैल के बीच आंधी बारिश वाला मौसम रह सकता है।

ऑपरेशन 'धुरंधर' में बड़ी कामयाबी; भारत-पाक सीमा पर पांच करोड़ की हेरोइन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

• जोधपुर, एजेंसी।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) जोधपुर जोनल यूनिट ने बीएसएफ (जी ब्रांच) और एएनटीएफ श्रीगंगानगर के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारत-पाक सीमा क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है।

"ऑपरेशन धुरंधर" के तहत श्रीगंगानगर जिले के सीमावर्ती इलाके में कार्रवाई कर 1.041 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान तीर्थ सिंह पुत्र सूबा सिंह निवासी वार्ड नंबर 5, 4एस मलकाना खुर्द, श्रीगंगानगर को गिरफ्तार किया गया।

जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी का संबंध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क से होने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

खुफिया सूचना के आधार पर चला अभियान : यह कार्रवाई विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर की गई। अभियान का संचालन एएनटीएफ के आईजी

विकाश कुमार तथा एनसीबी राजस्थान के जोनल निदेशक घनश्याम सोनी, आईआरएस के निर्देशन में किया गया। इस संबंध में एनसीबी जोधपुर में एनडीपीएस एक्ट 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध संख्या 04/2026 दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे और पीछे के संपर्क सूत्रों की पहचान कर पूरे तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आमजन से सहयोग की अपील : आईजी एएनटीएफ विकाश कुमार और जोनल निदेशक घनश्याम सोनी ने आमजन से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से मादक पदार्थों से जुड़ी सूचना मानस (MANAS) पोर्टल, हेल्पलाइन नंबर 1933 या एटीएस कंट्रोल रूम नंबर 0141-2601583 पर गोपनीय रूप से देने का आग्रह किया।

IPL पर ऑनलाइन सट्टाः छोटे कमरे से चल रहा था नेटवर्क, पांच आरोपी गिरफ्तार

• सीकर, एजेंसी।

सीकर जिले में पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। खाटूश्यामजी सदर थाना क्षेत्र के लामियां गांव में की गई इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 25 एटीएम कार्ड सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

टेक्निकल इनपुट और ह्यूमन इंटेलिजेंस से मिली सफलता : यह कार्रवाई टेक्निकल सोर्स और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर की गई। DST टीम, साइबर सेल और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। पुलिस ने बधाल रोड स्थित गिरधारी लाल जांगिड़ के मकान पर छापा मारा, जहां एक कमरे में पांचों आरोपी ऑनलाइन सट्टा संचालित करते हुए पकड़े गए।

पांच आरोपी गिरफ्तार : थाना प्रभारी अमित कुमार नागौरा के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में अजय कुमार जांगिड़ (26), दिनेश कुमार जांगिड़ (22), सोनू मेहरा (19), जालिम सिंह शेषमा (22) और राहुल जांगिड़ (23) शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग गांवों के निवासी बताए गए हैं।

पचपदरा रिफाइनरी अग्निकांड; मामले पर एचपीसीएल का आधिकारिक बयान, जानें कैसे भड़की थी आग

• बालोतरा, एजेंसी।

राजस्थान की बहुप्रतीक्षित परियोजना पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को हुई आगजनी की घटना ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए थे। इस हादसे के बाद से तरह-तरह की अटकलों का दौर जारी था और मामले की जांच भी चल रही थी। अब इस परियोजना का संचालन कर रही सरकारी कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना आधिकारिक बयान जारी किया है। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) ने इस बयान में न सिर्फ आग लगने की असली वजह बताई, बल्कि उन तमाम आशंकाओं को भी सिरे से नकार दिया है, जिनमें यह कहा जा रहा था कि यह मेगा प्रोजेक्ट लंबे समय तक ठप पड़ सकता है।

एचपीसीएल ने बताई अग्निकांड की असली वजह : हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बताया कि घटना के पश्चात विस्तृत जांच से प्रारंभिक आकलन की पुष्टि हुई है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित थी जिससे केवल 6 एक्सचेंजर और उनसे संबंधित सहायक उपकरण प्रभावित हुए हैं।

परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर, आग का कारण वैक्यूम रेजिड्यू एक्सचेंजर की इनलेट लाइन पर प्रेशर गेज टैपिंग पॉइंट से रिसाव होने की आशंका है।

3-4 हफ्ते में पूरा होगा काम : हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक, पुनस्थार्पन कार्य जारी है और इसके अगले 3-4 हफ्ते में पूरे होने की संभावना है।

सीडीयू यानी क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट को मई 2026 के द्वितीय पखवाड़े में शुरू किए जाने की संभावना है। अन्य सहायक इकाइयां योजना के अनुसार पहले से ही कमीशनिंग के उन्नत चरण में हैं।

'भाजपा की बी-टीम है आप'; गोविंद सिंह डोटासरा का तीखा हमला, बोले- भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा थी पार्टी

• सीकर, एजेंसी।

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आम आदमी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि यह पार्टी भ्रष्ट लोगों का समूह बन चुकी थी और अब धीरे-धीरे बिखर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पार्टी को खड़ा करने में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका रही है।

भाजपा की बी-टीम है आप : सीकर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए डोटासरा ने कहा कि आम आदमी पार्टी लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी की "बी टीम" की तरह काम करती रही। उनका दावा था कि दिल्ली में राजनीतिक परिस्थितियों के चलते बीजेपी ने इस पार्टी को समर्थन दिया।

बीजेपी पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप : डोटासरा ने आरोप लगाया कि पार्टी से जुड़े कुछ नेताओं के खिलाफ पहले से प्रवर्तन निदेशालय (ED) और आयकर विभाग के मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर नेताओं पर दबाव बनाने और उन्हें प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

'ऑपरेशन लोटस' का भी किया जिक्र : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी कहा कि कथित "ऑपरेशन लोटस" के तहत इन नेताओं का उपयोग कांग्रेस के खिलाफ किया जा रहा है, खासकर पंजाब जैसे राज्यों में। उनका दावा है कि पहले दिल्ली और गुजरात में भी इसी तरह की रणनीति अपनाई गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी की कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं रही और यह केवल राजनीतिक प्रयोग का हिस्सा थी। उनके अनुसार, पार्टी के कमजोर पड़ने से राजनीति में पारदर्शिता और स्वच्छता आने की उम्मीद है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर दौड़ती गाड़ी बनी आग का गोला; चालक ने कूदकर बचाई जान

• कोटपूतली-बहरोड़, एजेंसी।

कोटपूतली-बहरोड़ से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-48 पर दहमी गांव के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक केन्ट्रा वाहन में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन धू-धू कर जलने लगा।

चालक ने गाड़ी से कूदकर बचाई जान : घटना के दौरान चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आसपास मौजूद लोगों ने भी तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका : प्राथमिक जानकारी के अनुसार, वाहन में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग इतनी तेजी से फैली कि गाड़ी में रखा सामान भी पूरी तरह जलकर राख हो गया। हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन चालकों ने जब जलती हुई गाड़ी देखी तो कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात प्रभावित हुआ।

दमकल की टीम ने पाया आग पर काबू : सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था। आग की घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात को दोबारा सुचारू कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

कोटपूतली में 258वें दिन भी ग्रामीणों का धरना जारी, ब्लास्टिंग पर बढ़ा बवाल

• कोटपूतली-बहरोड़

कोटपूतली क्षेत्र के अजीतपुरा कलां-कुजोता गांव में नेशनल लाइमस्टोन कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध लगातार 258वें दिन भी जारी है। लंबे समय से चल रहा यह धरना अब और अधिक उग्र रूप लेता नजर आ रहा है। रविवार को हालात उस समय तनावपूर्ण हो गए, जब कंपनी द्वारा आबादी क्षेत्र के बेहद नजदीक अचानक ब्लास्टिंग शुरू कर दी गई।

धमाकों की आवाज और कंपन से ग्रामीणों में दहशत फैल गई और गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी लगातार खनन और ब्लास्टिंग से जुड़े सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रही है। नियमानुसार खनन गतिविधियां आबादी, सड़क और स्कूल से कम से कम 45 मीटर दूर तथा ब्लास्टिंग करीब 300 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। लेकिन यहां रिहायशी इलाकों, स्कूल और यहां तक कि श्मशान भूमि के पास भी विस्फोट किए जा रहे हैं। इससे न केवल जान-माल का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों में भय का माहौल भी गहरा गया है।

झुंझुनूं में भीषण सड़क हादसाः जानवर को बचाने के प्रयास में कार पलटी, तीन युवकों की मौत

• झुंझुनू, एजेंसी।

झुंझुनूं जिला मुख्यालय की मंड्रेला रोड पर देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ईशरपुरा के पास तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर कई बार पलट गई, जिससे तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में शोक और दहशत का माहौल बन गया।

धार्मिक कार्यक्रम से लौटते वक्त हादसा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार युवक सोनासर गांव में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। देर रात जब वे ईशरपुरा के पास पहुंचे, तभी अचानक एक जानवर सड़क पर आ गया। चालक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क किनारे पलटती चली गई।

हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों को इलाज के लिए बीडीके अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया।

गंभीर रूप से घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है। मृतकों की पहचान विजय ढंढ, गौरव सैनी और सुनील शुक्ला के रूप में हुई है, जो झुंझुनूं शहर के निवासी बताए जा रहे हैं। घायल युवक जितेंद्र वालिया का उपचार डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है।

झालावाड़ के

संतरे से बदलेगी किसानों की तस्वीर, पाउडर और कॉस्मेटिक उत्पादों से मिलेगा दोहरा लाभ

• झालावाड़, एजेंसी।

झालावाड़ जिले में संतरे की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत और अवसर की बड़ी खबर है। जिले में अब संतरे की पैदावार केवल ताजे फल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका उपयोग पाउडर और अन्य कॉस्मेटिक उत्पादों में भी किया जाएगा। इससे किसानों को उपज का बेहतर दाम मिलने के साथ अतिरिक्त आय के नए रास्ते खुलेंगे। झालावाड़ जिले के संतरा एक्सीलेंस सेंटर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संतरे का पाउडर बनाने का कार्य आने वाले सीजन तक शुरू किया जाएगा। इस पहल से संतरे के जूस, छिलका और पल्प का भी उपयोग संभव होगा। इससे किसानों को मेहनत का दोहरा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऑर्गेनिक पाउडर से मिलेगा बेहतर मूल्य : जानकारी के अनुसार, संतरे से तैयार होने वाला पाउडर ऑर्गेनिक होगा, जिसके कारण बाजार में इसकी अच्छी कीमत मिलने की उम्मीद है। किसान अपने स्तर पर छोटी यूनिट लगाकर भी पाउडर तैयार कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अनुदान भी दिया जाएगा। गुणवत्ता के कारण खाड़ी देशों तक पहचान बना चुके झालावाड़ के संतरे का अब स्थानीय स्तर पर कई प्रकार से उपयोग होने से किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही बाजार में मांग बढ़ने से बगीचों का क्षेत्रफल भी बढ़ सकता है, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

जिले में संतरा उत्पादन की मजबूत स्थिति : झालावाड़ जिले में करीब 24,500 हेक्टेयर क्षेत्र में संतरे की खेती होती है। सालाना उत्पादन लगभग 3 लाख मीट्रिक टन बताया गया है, जबकि औसत उत्पादकता 12.5 टन प्रति हेक्टेयर है। जलवायु और ब्लैक कॉटन मिट्टी के कारण यहां के संतरे की गुणवत्ता बेहतर मानी जाती है। इसकी मांग देशभर में बनी रहती

है, जबकि निर्यात बांग्लादेश और नेपाल तक होता है। राजस्थान में संतरा उत्पादन में झालावाड़ को पहले स्थान पर बताया जाता है। यहां 10 से अधिक किस्मों के संतरे उगाए जाते हैं, जिनमें नागपुरी किस्म की सबसे ज्यादा मांग है।

खाद्य उत्पादों से लेकर कॉस्मेटिक तक होगा उपयोग : संतरे का उपयोग केवल फल के रूप में ही नहीं, बल्कि संतरा बर्फी, कैंडी, आइसक्रीम, चॉकलेट, केक और संतरा फ्लेवर वाले रसगुल्ले में भी किया जाता है। इसके अलावा फेस पैक, स्क्रब और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में इसे नेचुरल इंग्रीडिएंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऑफ सीजन में भी असली संतरा जूस और अन्य सामग्री के रूप में इसका उपयोग संभव होगा, जिससे बाजार में सालभर मांग बनी रह सकती है।

पायलट प्रोजेक्ट पर 20 लाख रुपये की लागत : झालावाड़ जिले में शुरू होने वाले इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए मशीनरी स्थापित की जा चुकी है और इसकी टेस्टिंग भी पूरी कर ली गई है। इस परियोजना पर करीब 20 लाख रुपये की लागत आई है। प्लांट संतरा एक्सीलेंस सेंटर पर लगाया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि 1 किलो पाउडर बनाने में करीब 40 किलो संतरे का उपयोग होता है।

पाउडर कारोबार बनेगा फायदे का सौदा : संतरा पाउडर का बाजार मूल्य करीब 3000 रुपये किलो बताया गया है। जहां ताजा संतरा 40 से 80 रुपये किलो बिकता है, वहीं पाउडर ढाई हजार से 3 हजार रुपये किलो तक बिक सकता है। संतरा कुछ समय बाद खराब हो जाता है, जबकि पाउडर को महीनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे किसानों को उपज खराब होने की चिंता कम होगी और बेहतर दाम मिलने की संभावना बढ़ेगी।

संक्षिप्त खबरें

अजमेर दरगाह में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

अजमेर, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह के गेट नंबर 4 पर शनिवार रात अचानक आग लगने से कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों की सूझबूझ और त्वरित प्रयासों से आग को समय रहते काबू में कर लिया गया, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना से बचाव हो गया। जानकारी के अनुसार, दरगाह परिसर की छत पर ट्रांसफार्मर के लिए बिछाई गई बिजली की केबल में रात करीब 10:30 बजे अचानक चिंगारियां उठने लगीं। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और दूर से दिखाई देने लगीं, जिससे वहां मौजूद जायरीन और स्थानीय लोगों में घबराहट फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश के कारण वायरिंग में नमी आ गई थी। इसी वजह से शॉर्ट सर्किट हुआ और तेज आवाज के साथ तारों में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में स्थिति गंभीर होती दिखी, लेकिन समय रहते लोगों ने सक्रियता दिखाई। अंजुमन कमेटी के पदाधिकारियों, स्थानीय व्यापारियों और खादिमों ने तुरंत फायर सेफ्टी सिलेंडर और रेत-बजरी का उपयोग कर आग को फैलने से रोक दिया। करीब कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही बिजली आपूर्ति से जुड़ी कंपनी टाटा पॉवर के कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर बिजली व्यवस्था की जांच की और आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया। आग पर काबू पाने के बाद इलाके में स्थिति सामान्य हो गई और सभी ने राहत की सांस ली।

अनियंत्रित होकर कार पार्वती नदी में गिरी, एक की मौत, चार की तलाश जारी

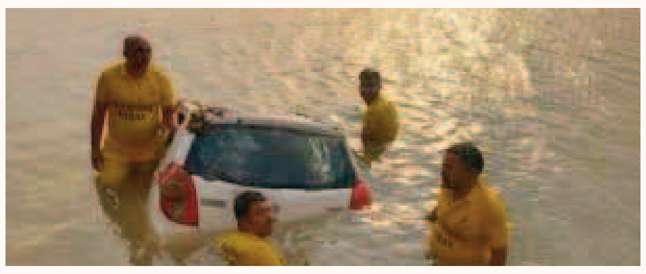

बारां, एजेंसी। बारां के कोयला क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सुंडा कोठड़ी के पास अनियंत्रित होकर एक कार अचानक नदी में जा गिरी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में करीब चार लोग सवार थे। चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ने से कार सीधे पार्वती नदी की गहराई में समा गई। नदी का बहाव तेज होने के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। राहत और बचाव कार्य के लिए गोताखोरों की टीम को तैनात किया गया है। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने नदी से एक व्यक्ति का शव बरामद किया है, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है। मृतक की पहचान लोकेश कुमार मेहता निवासी कोयला के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जाँच कर रही है प्रशासन का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा तकनीकी खराबी, तेज रफ्तार या किसी अन्य कारण से हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लापता लोगों की खोज के लिए सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बाइकों की टक्कर में तीन लोगों की मौत, बाप-बेटे गंभीर

बांसवाड़ा, एजेंसी। बांसवाड़ा जिले के सल्लोपाट थाना क्षेत्र के रोहनवाड़ी गांव के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। आमने-सामने हुई दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में दो भाइयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक पिता और उसका तीन साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे तेज रफ्तार में आ रही दो बाइक अचानक अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और उन पर सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में भण्डारा गांव निवासी नानू (35) पुत्र गेबा गरासिया और आमरिया पाड़ा (आनंदपुरी) निवासी रंगजी (30) पुत्र मजू की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं नानू का भाई लक्ष्मण (33) पुत्र गेबा गरासिया को गंभीर हालत में पहले सल्लोपाट अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे दाहोद (गुजरात) रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार उमेश (30) पुत्र रामजी और उसका 3 वर्षीय मासूम बेटा जयेश इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को देर रात बांसवाड़ा के महात्मा गांधी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बांसवाड़ा में पिछले वर्ष ही मोटर साइकिल से हुए हादसों में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण और हाईवे सड़कों पर लोग अक्सर बिना नियंत्रण के तेज बाइक चलाते हैं, जिससे टक्कर की संभावना बढ़ जाती है। कई गांवों के पास सड़कें संकरी, टूटी या बिना लाइट के होने, गड्ढे, मोड़ और अंधेरे के कारण हादसों की संख्या बढ़ी है। हेलमेट न पहनने की आदत के कारण हादसे के बाद चोटें गंभीर हो जाती हैं और मौत का खतरा बढ़ जाता है।

'दलाली-भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं खंडार भाजपा विधायक', बोले पूर्व कांग्रेस विधायक

सवाई माधोपुर, एजेंसी। सवाई माधोपुर की खंडार विधानसभा क्षेत्र में मानसरोवर बांध के वेस्ट वॉटर यानी ओगाड़ पुलिया और सवाई माधोपुर को एमपी से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे 552 पर बनी बोदल पुलिया की खराब स्थिति को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक बैरवा ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इन दोनों स्थानों की हालत गंभीर बनी हुई है और समय रहते मरम्मत नहीं होने पर आगामी मानसून में बड़ा नुकसान हो सकता है। अशोक बैरवा ने सवाई माधोपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि सवाई माधोपुर को श्योपुर से जोड़ने वाले सड़क मार्ग पर स्थित बोदल पुलिया पिछले बरसात के दिनों में टूट गई थी। इसके कारण करीब दो माह तक यातायात बाधित रहा। बाद में प्रशासन द्वारा अस्थायी मरम्मत कराकर मार्ग को सुचारु किया गया, लेकिन जुलाई 2025 से अप्रैल 2026 तक दस माह बीत जाने के बावजूद पुलिया का स्थायी निर्माण नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिया के दोनों ओर गहरे गड्ढे बने हुए हैं और वहां खतरनाक मोड़ भी है। यदि आगामी दो माह में इसका निर्माण नहीं हुआ तो आने वाली बरसात में पुलिया के दोबारा टूटने की आशंका बनी रहेगी। पूर्व विधायक ने कहा कि मानसरोवर बांध का वेस्ट वॉटर ओगाड़ पुलिया भी टूटा हुआ है। इस संबंध में प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

संपादकीय

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स आज के दौर में

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं।

आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। "मेक इन इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "ग्रीन एनर्जी" जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी CEPA लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं।

भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं।

रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश "डिजिटल ब्रिज" बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं।

सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

(लेखक- डॉ. प्रियंका सौरभ)

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस, 26 अप्रैल 2026 पर विशेष)

• ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है।

बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है। यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है।

भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो।

हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है।

राघव चड्ढा की बगावत और आम आदमी पार्टी का भविष्य क्या यह एक राजनीतिक मोड़ है या टूट की शुरुआत

• कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही में राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है।

राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़ता कदम प्रतीत होता है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे।

यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं। जब एक दो नहीं बल्कि कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो यह संकेत देता है कि असंतोष व्यापक है। स्वाति मालीवाल जैसे नेताओं का पहले से असहज होना और अन्य नेताओं का अचानक अलग होना यह दर्शाता है कि संवाद और विश्वास की कमी रही है।

अब तुलना शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से की जा रही है। इन दोनों दलों में भी इसी तरह की टूट देखने को मिली थी जहां दो तिहाई विधायकों के अलग होने से पार्टी का नियंत्रण बदल गया। हालांकि वर्तमान स्थिति में आम आदमी पार्टी के मामले में यह टूट राज्यसभा तक सीमित है इसलिए सरकार पर तत्काल कोई खतरा नहीं है। लेकिन यदि यही स्थिति पंजाब विधानसभा तक पहुंचती है तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में साइलेंट वोटर क़े प्रभाव क़ी चर्चा

• किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही तीव्र भावनाओं,जटिल सामाजिक समीकरणों और उच्च स्तर की जनभागीदारी के लिए जानी जाती रही है,लेकिन 23 अप्रैल 2026 को हुए मतदान और 24 अप्रैल 2026 को सामने आए पहले चरण के मतदान के आंकड़ों ने इस परंपरा को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। लगभग 93 प्रतिशत औसत मतदान और कई विधानसभा क्षेत्रों में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक ऊर्जा,राज-नीतिक ध्रुवीकरण और मतदाताओं की असाधारण सक्रियता का संकेतक है।

इस अभूतपूर्व मतदान ने न केवल राज्य के भीतर राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है,बल्कि राष्ट्रीय स्तरपर भी चुनावी विश्लेषकों, राजनीतिक दलों और नीति निर्माताओं के बीच गहन चर्चा को जन्म दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले इस रिकॉर्ड मतदान के स्वरूप को समझना आवश्यक है।2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 83.2 प्रतिशत मतदान हुआ था,जिसे उस समय भी उच्च माना गया था। इसके मुकाबले 2026 में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि केवल प्राकृतिक उतार-चढ़ाव नहीं मानी जा सकती।यह वृद्धि संकेत देती है कि इसबार क़ा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बनाए रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं के लिए पहचान,सुरक्षा विकास और राजनीतिक भविष्य से जुड़ा व्यापक जनमत संग्रह बन चुका है। जब मतदान प्रतिशत 90 के पार जाता है, तो आमतौर पर यह माना जाता है कि समाज के वे वर्ग भी मतदान में शामिल हुए हैं, जो सामान्यतः निष्क्रिय रहते हैं।

साथियों बात अगर हम इस बढ़ी हुई भागीदारी के पीछे कई कारक काम कर रहे हैं इसको समझने की करें तो पहला और सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक ध्रुवीकरण। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से वैचारिक और सामाजिक विभाजन तीखा हुआ है, उसने मतदाताओं को निष्क्रिय रहने की गुंजाइश नहीं छोड़ी। दूसरा कारक है महिला मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी। रिपोर्ट्स के अनुसार कई क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा,जो यह संकेत देता है कि कल्याणकारी योजनाएं, सुरक्षा का मुद्दा और सामाजिक सम्मान जैसे विषय निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। तीसरा महत्वपूर्ण तत्व है प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था,जिसे इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने लागू किया। केंद्रीय बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और बूथ स्तर पर पारदर्शिता ने मतदाताओं में विश्वास बढ़ाया।

भाजपा और लैंगिक समानता का सवालः महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन

• राम पुनियानी

लोकसभा की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने के लिए महिला आरक्षण विधेयक 2023 में पारित किया गया था। लेकिन उसे अभी तक लागू नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विधेयक को संशोधित करने वाले संविधान संशोधन बिल के पारित न हो पाने पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। मगर तथ्य यह है कि आरक्षण संबंधी विधेयक सन् 2023 में ही पारित हो गया था और उसे आवश्यक कार्यवाही के बाद 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में ही लागू किया जा सकता था। अब दो-तिहाई समर्थन न मिलने के कारण संशोधन विधेयक नामंजूर हो गया क्योंकि विपक्ष को यह अहसास हो गया था कि इस संशोधन के जरिए सरकार एक साजिश को अमली जामा पहना रही है।

सरकार ने इस संशोधन को परिसीमन और लोकसभा की कुल सीटों में बढोत्तरी के साथ नत्थी कर दिया था। संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाले सभी सांसद महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित किए जाने के पक्ष में थे, किंतु चूंकि इसे परिसीमन से जोड़ दिया गया था, इसलिए उनके पास इसका विरोध करने के अलावा कोई चारा नहीं था। विरोध का एक बड़ा कारण था उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि की दर में अंतर। मोटे तौर पर उत्तरी राज्यों में टीएफआर (कुल प्रजनन दर) दक्षिणी राज्यों से अधिक होने के कारण परिसीमन के बाद उत्तरी राज्यों में सीटों की संख्या में अधिक वृद्धि होती। ये वो राज्य हैं जहां भाजपा की पकड़ ज्यादा मजबूत है। दक्षिणी राज्य इसे लेकर चौकन्ने थे और इसलिए उन्होंने पूरी शक्ति से इसका विरोध किया। भाजपा यह रोना रो रही है कि संशोधन का विरोध कर विपक्षी दल महिलाओं का अपमान कर रहे हैं।

भाजपा द्वारा महिलाओं को अधिक मौके देने की बात करना केवल दिखावा है। महिला सशक्तिकरण के कहीं ज्यादा अहम् कदम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा उठाए गए हैं। आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस ने आहिस्ता-आहिस्ता यह सुनिश्चित किया कि महिलाएं न केवल भारतीय राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बनें, बल्कि वे ब्रिटिश राज के खिलाफ चल रहे आंदोलन में भी शामिल हों। कांग्रेस ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहन दिया। महिला शिक्षा के लिए जोतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के अथक प्रयासों के फलस्वरूप महिलाएं

सार्वजनिक जीवन में आईं और आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। चयनिका के अनुसार कई महिलाएं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। कांग्रेस ने ही देश को पहली महिला प्रधानमंत्री, पहली महिला मुख्यमंत्री और पहली महिला राष्ट्रपति दी। महिला सशक्तिकरण की इस प्रक्रिया को मैदानी स्तर तक ले जाने के उद्धेश्य से राजीव गांधी न केवल पंचायती राज व्यवस्था लागू करने के लिए आतुर थे बल्कि इन संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित करना चाहते थे।

यदि इसकी तुलना नरेन्द्र मोदी के बड़-बोलेपन से की जाए तो हम पाते हैं कि वाजपेयी और मोदी दोनों के नेतृत्व वाली भाजपा (या एनडीए) सरकारों ने इस दिशा में एक भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया। भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा महिलाओं की राजनीति में भागीदारी के उसके एजेंडा को निर्धारित करती है। भाजपा जिस आरएसएस की राजनैतिक संतान है वह केवल पुरुषों का संगठन है। जब लक्ष्मीबाई केलकर ने 1936 में तत्कालीन आरएसएस प्रमुख हेडगेवार से अनुरोध किया कि आरए-सएस में महिलाओं को भी शामिल किया जाए, तो उन्हें परामर्श दिया गया कि वे राष्ट्र सेविका समिति (आरएसएस) नाम से एक अधीनस्थ संगठन बनाएं। उन्हें आरएसएस में शामिल होने की इजाजत नहीं दी गई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नाम से लगता है कि वह कार्यकताओं का संगठन है जबकि राष्ट्र सेविका संघ के नाम से उसके सेविकाओं का संगठन होने का अनुमान होता है। इससे साफ़ है कि संघ के विचार में महिलाओं का स्व पुरुषों के अधीन है। यह मनुस्मृति में व्यक्त किए गए विचारों से मेल खाता है। आरएसएस ने सदैव इस ग्रंथ को सही ठहराया है और आज भी संघ परिवार की यह मान्यता है कि भारतीय संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और इसलिए इसे रद्द कर दिया जाना चाहिए (राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया का वक्तव्य) और इसकी जगह एक पवित्र भारतीय ग्रंथ यानि मनुस्मृति के नियमों-प्रावधानों को अपनाया जाना चाहिए (एक अन्य सरसंघचालक सुदर्शन के अनुसार)।

भाजपा का नजरिया उसकी सरकार द्वारा पिछले वर्ष गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार से नवाजे जाने से भी साफ़ होता है। यह फैसला नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एक जूरी द्वारा किया गया था। पुरस्कार प्रदान करते हुए मोदी ने कहा इन्होंने पिछले 100 वर्षों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में लोगों में बदलाव लाने के लिए सराहनीय कार्य किया है। अक्षय मुकुल ने गीता प्रेस पर अपने गहन अध्ययन में बताया है कि किस तरह गीता प्रेस ने मनुस्मृति की शिक्षाओं को छोटी-छोटी पुस्तिकाओं के रूप में प्रकाशित कर उन्हें जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। ये पुस्तिकाएं लाखों की संख्या में बिकती हैं।

स्वामी दिल्ली वार्ता मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक शमीम अहमद द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636, कटरा दीना बेग लाल कुंआ, दिल्ली-110006 या अखबार प्रिंटर 1534 कासिम जान स्ट्रीट, बल्लीमारान, दिल्ली-110006 से मुद्रित व 12/596 वेस्ट गुरू अंगद नगर ईस्ट, दिल्ली-1100092 से प्रकाशित। संपादक - सलीम अहमद

सभी सरकारी दफ्तरों पर लगेंगे बिजली के प्रीपेड मीटर, 15 दिन के भीतर पूरे प्रदेश का होगा एक एप

• देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड के सभी सरकारी दफ्तरों, यूपीसीएल के सभी कर्मचारियों के आवासों पर लगे हुए स्मार्ट मीटर अब प्रीपेड होंगे। वहीं, पूरे प्रदेश में अब स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए एकल उपभोक्ता एप होगा। शनिवार को यूपीसीएल पहुंचे केंद्रीय सचिव ऊर्जा पंकज अग्रवाल ने समीक्षा के दौरान ये निर्देश दिए।

केंद्रीय सचिव अग्रवाल ने यूपीसीएल में आरडीएसएस योजना के तहत संचालित स्मार्ट मीटरिंग की समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि प्रदेशभर में अदाणी और जीनस कंपनी के सहयोग से तीन लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। सचिव अग्रवाल ने निर्देश दिए कि प्रदेशभर में सभी

सरकारी अफसर, कर्मचारियों के आवास, कार्यालयों पर लगाए गए स्मार्ट मीटर को स्मार्ट प्रीपेड मीटर में बदला जाए। पूर्व में सभी प्रीपेड मीटर लगाने थे लेकिन विरोध के बीच इसे पोस्टपेड मोड में लगाया गया।

बैठक में अधिकारियों ने जब बताया कि वर्तमान में यूपीसीएल के एप के अलावा गढ़वाल मंडल में जीनस और कुमाऊं मंडल में अदाणी ग्रुप के अलग-अलग मोबाइल एप भी चल रहे हैं।

बहादराबाद की एचपीएम इन्फोटेक कंपनी में लगी भीषण आग, मची अफरा तफरी, दो घंटे बाद पाया काबू

• देहरादून, एजेंसी।

औद्योगिक क्षेत्र स्थित एचपीएम इन्फोटेक कंपनी में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक भीषण आग लग गई। कंपनी में पंखों के पार्ट्स बनाए जाते हैं, और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशम विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने का प्रयास शुरू किया गया।

जानकारी के मुताबिक, आग तेजी से फैली, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने करीब दो घंटे की

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एफएसओ बीरबल सिंह ने बताया कि कंपनी के बाहर पड़े स्क्रैप में आग लगने से यह आग कंपनी के अंदर तक फैल गई। उन्होंने बताया कि रविवार को अवकाश होने के कारण कंपनी में किसी कर्मचारी के मौजूद होने की सूचना नहीं है, जिससे किसी जनहानि की खबर नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बरेली में 1147 रिक्रूट बने सिपाही, एडीजी और एसएसपी ने पढ़ाया अनुशासन का पाठ

• बरेली, एजेंसी।

बरेली में रविवार को पुलिस लाइन और पीएसी मैदान में पासिंग आउट परेड के बाद 1147 रिक्रूट आरक्षी बने, जिन्हें प्रदेश भर में तैनाती मिली। इनमें 783 महिला आरक्षी पुलिस लाइन से और 364 पुरुष आरक्षी पीएसी से पास आउट हुए। बरेली में रविवार की सुबह नए पुलिसकर्मियों के लिए ऊर्जा के संचार की सुबह थी। पुलिस लाइन में नौ महीने से आरटीसी प्रशिक्षण ले रहीं 783 महिला रंगरूट पासिंग आउट परेड के बाद सिपाही बन गईं। इसी तरह पीएसी आठवीं बटालियन में प्रशिक्षु 364 रंगरूटों को कांस्टेबल का दर्जा मिला। सभी के चेहरे पर मुस्कान थी, उनके परिवारीजन भी इस खुशी में शरीक हुए। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ऑनलाइन संबोधन सभी को सुनाया गया। पुलिस अधिकारियों ने भी नए सिपाहियों को निष्ठा और अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

796 रिक्रूट ने दर्ज कराई आमद : आरआई हरमीत सिंह ने बताया कि बरेली पुलिस लाइन को 800 महिला रिक्रूट का आवंटन हुआ था। इनमें से 796 ने आमद दर्ज कराई। इनमें से कुछ दूसरे विभागों में चयनित हो गईं और कुछ ने निजी कारणों से प्रशिक्षण छोड़ दिया। कुल 783 नई सिपाहियों को तैनाती मिली। इनमें से 292 की तैनाती बरेली जिले के थानों में ही होगी। बरेली में कुल 1386 नए सिपाहियों की तैनाती होगी, इस लिहाज से जिले के हर थाने में करीब 48 नए सिपाही बढ़ जाएंगे।

सिर पर पगड़ी, हाथ में सर्टिफिकेट और चेहरों पर दिखी मुस्कान : पुलिस लाइन में परेड के बाद खुशी का ज्वार देखने को मिला। अधिकांश महिला पुलिसकर्मी अपने परिजनों के साथ आई थीं। अधिकांश गरीब या मध्यमवर्गीय परिवारों से थीं। इन्होंने अपनी पगड़ी माता या पिता के सिर पर रखकर, सेल्फी लेकर और पगड़ी हवा में उछालकर सरकारी सेवा में आने की खुशी जताई। पुलिसकर्मियों ने पुलिस महकमे में सेवा का अवसर मिलने को भाग्य से जोड़ा। किसी ने माता पिता तो किसी ने गुरुओं व भाई बहनों को इस सफलता का श्रेय दिया। सभी पुलिसकर्मियों के चेहरे पर खुशी और गर्व के भाव साफ झलक रहे थे। भीषण गर्मी भी पासिंग ऑउट परेड में उनका जोश कम नहीं कर पाई।

पीएसी में 364 नए पुलिसकर्मियों को मिले नियुक्ति पत्र : पीएसी आठवीं बटालियन में पुलिस मुख्यालय से आए आईजी मोदक राजेश डी राव ने परेड की सलामी ली। उन्होंने कमांडेंट आकाश तोमर के साथ परेड का निरीक्षण किया। यहां 400 पुरुष रंगरूट प्रशिक्षण के लिए चयनित किए गए थे। इनमें से 394 ने यहां आमद दर्ज कराई। कुछ अनुत्तीर्ण और कुछ गैरहाजिर हो गए। कुल 364 रंगरूटों ने पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया और यूपी पुलिस के सिपाही बने।

सूबेदारगंज स्टेशन पर गूंजी दोहरी किलकारी, आरपीएफ महिला स्टाफ ने कराया सुरक्षित प्रसव

प्रयागराज, एजेंसी। सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन रविवार को एक बड़ी मानवीय सेवा का गवाह बना। यहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और महिला स्टाफ की सूझबूझ से एक महिला यात्री ने दो स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। पटना स्पेशल ट्रेन से यात्रा कर रही महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद स्टेशन पर मौजूद महिला कर्मियों ने मोर्चा संभाला और प्लेटफॉर्म को ही लेबर रूम बनाकर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कराया।

बताया जा रहा है कि रविवार सुबह करीब 10:40 बजे गाड़ी संख्या 03294 डाउन पटना स्पेशल जैसे ही सूबेदारगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह पर पहुंची तो उसमें सवार एक यात्री ने महिला को तेज लेबर पेन होने की सूचना दी।

खेतों में गेहूं काटते हुए मिला जिला टॉपर, खबर सुन भावुक हुए किसान पिता, भर आया गला

• देहरादून, एजेंसी।

खेत की सुनहरी बालियों के बीच पसीना बहाता एक किशोर, हाथ में दरांती, चेहरे पर सादगी और दिल में एक बड़ी जीत का अहसास। यही तस्वीर है जोनिश कुमार की, जिसने 95.20% अंक हासिल कर हाईस्कूल में जिले में तीसरा और पूरे उत्तराखंड में 12वां स्थान प्राप्त किया, लेकिन परिणाम वाले दिन भी वह खेत में मजदूरी करता रहा।

राष्ट्रीय इंटर कॉलेज औरंगाबाद आनेकी का छात्र जोनिश उस समय सुर्खियों में आया जब उत्तराखंड बोड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर और अशिक्षित माता-पिता के इस बेटे ने बिना किसी कोचिंग के यह मुकाम हासिल किया। उसके पिता राजेश कुमार और माता सोनिया देवी सिडकुल की फैक्ट्री में नौकरी करते हैं

व इन दिनों दोनों गेहूं की कटाई कर रहे हैं। परिणाम घोषित होने के दौरान भी जोनिश अपने माता-पिता के साथ गेंहू की फसल की कटाई कर रहा था। उसने बताया कि उसे अपने अंकों का अंदाजा था लेकिन वह इस बात से अनभिज्ञ था कि उसने प्रदेश भर में 12वां स्थान प्राप्त किया है। अमर उजाला की ओर से मोबाइल फोन पर की गई बातचीत के दौरान उन्हें पता चला कि उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कपड़े बदलकर फोटो खिंचवाई रोजाना और बताया कि रोजाना 2-3 घंटे पढ़ाई कर उन्होंने यह मुकाम पाया। उनका सपना है कि वह आगे चलकर डॉक्टर बनना है।

पसंद का कोट लाया, रातभर नाचा, बरात जाने से पहले की दूल्हे ने की खुदकुशी; सामने आई ये दो वजह

• बरेली, एजेंसी।

बरेली के शाही में शादी के दिन शनिवार सुबह दूल्हे का शव साप्ताहिक बाजार में पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। चूंकि रात दो बजे तक दूल्हे ने दोस्तों के साथ डीजे पर डांस किया था, इसलिए परिवार इस घटना से अवाक रह गया और हत्या की आशंका जता दी। हालांकि पोस्टमार्टम में लटकने (हैंगिंग) से मौत की पुष्टि हुई है।

आत्महत्या की वजह को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। डीजे की तेज आवाज पर पड़ोसियों ने आपत्ति जताई तो उसे घर के मुख्य दरवाजे के पास लगा दिया गया। रात दो बजे तक साथियों संग डांस करने के बाद देवेंद्र अपने बहनोई और अन्य रिश्तेदारों के साथ सोने चला गया। शनिवार तड़के महिलाओं ने मंगलगान शुरू किया तभी पड़ोसियों ने सूचना दी कि देवेंद्र का शव साप्ताहिक बाजार में आम के पेड़ से लटका हुआ है। परिजनों ने पहुंचकर देखा तो देवेंद्र का शव छह फुट की ऊंचाई पर पतली रस्सी से आम की टहनी में बंधा था। उसके पैर जमीन पर मुड़े हुए थे। लोग हैरान थे कि इतनी कम ऊंचाई से कोई आत्महत्या कैसे कर सकता है। पिता रामदास मौर्य ने कहा कि बेटे की किसी से रंजिश नहीं थी, लेकिन वह आत्महत्या भी नहीं कर सकता। उन्होंने बेटे की हत्या कर शव लटकाने की आशंका जताई। थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की बात पता लगी है। विसरा भी सुरक्षित किया गया है। परिवार ने हत्या की आशंका जताई है, लेकिन कोई तहरीर नहीं दी है। मामला आत्महत्या का ही लग रहा है, हालांकि परिवार उसकी वजह नहीं बता रहा है। देवेंद्र का मोबाइल फोन सील कर दिया है। उसकी जांच से कोई तथ्य सामने आया तो कार्रवाई की जाएगी।

बरेली से पसंद का कोट लाया था देवेंद्र, रचाई थी मेहंदी : बरेली के शाही कस्बे में बरात से पहले दूल्हे की फंदे से लटककर मौत की घटना किसी के गले नहीं उतर रही है। एक रिश्तेदार युवती से प्रेम प्रसंग की भी चर्चा है, लेकिन इस शादी को लेकर भी वह निराश नहीं था। कई दिन से वह शादी की तैयारी कर रहा था। परिजनों व दोस्तों ने बताया कि देवेंद्र दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। वह मजदूरी कर परिवार का आर्थिक सहयोग करता था। मौत के वक्त उसके दाहिने हाथ में शादी का कंगन और हाथों में मेहंदी लगी थी। वह दो दिन पहले ही बरेली से अपनी पसंद का कोट-पैंट लाया था।

स्मार्ट मीटर पर बड़ा अपडेटः रिचार्ज खत्म होने पर नहीं कटेगी बिजली, दो लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

• आगरा, एजेंसी।

एक किलो वॉट के विद्युत उपभोक्ताओं का रिचार्ज खत्म होने पर बिजली नहीं कटेगी। स्मार्ट मीटर को रिचार्ज कराने के लिए अब उन्हें तीन की बजाय 30 दिन तक मोहलत मिलेगी। इस व्यवस्था से जिले में करीब 2 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा। रिचार्ज खत्म होने पर उनकी बत्ती गुल नहीं होगी। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के आगरा जोन में करीब 4.50 लाख उपभोक्ता हैं।

1.70 लाख उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। बाकी 2.70 लाख उपभोक्ताओं के पुराने मीटर स्मार्ट मीटर से बदले जा रहे हैं। 1.70 लाख उपभोक्ताओं में करीब 22 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने

बिल जमा नहीं किया। उनके घर जाकर विद्युत विभाग बिल जमा कराने को दरवाजा खटखटा रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के प्रति जागरूक करने के लिए 114 केंद्रों पर शिविर लगाए जाएंगे।

मुख्य अभियंता कपिल सिंधवानी ने बताया कि स्मार्ट मीटर में बिजली 2 प्रतिशत सस्ती मिलेगी। एक किलो वॉट तक के उपभोक्ताओं को रिचार्ज कराने के लिए 30 दिन तक समय मिलेगा। उनकी बिजली तत्काल नहीं कटेगी। हालांकि 2 किलो वॉट से अधिक क्षमता वाले कनेक्शन के लिए कोई राहत नहीं है।

मोबाइल नंबर कराएं रजिस्टर्ड : मुख्य अभियंता ने बताया कि स्मार्ट मीटर के बाद मैनुअल बिलिंग बंद हो गई है। उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड कराएं। मोबाइल नंबर पर ही बिल व रिचार्ज संबंधी में अन्य जानकारियां मिलेंगी। इसके अलावा uppcl.org के माध्यम से भी उपभोक्ता ऑनलाइन बिल जमा करा सकते हैं।

राजाजी टाइगर रिजर्व के मंदिर में मंत्री के बेटे की शादी पर सख्ती, समिति के लोगों पर मुकदमा दर्ज

• देहरादून, एजेंसी।

प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री खजान दास के बेटे की शादी राजाजी टाइगर रिजर्व के हरिद्वार रेंज स्थित मां सुरेश्वरि देवी मंदिर परिसर में करने की तैयारियों पर विभाग ने सख्ती दिखाई है। मंदिर समिति के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बताया जा रहा है कि आज रविवार को शादी प्रस्तावित थी, जिसके लिए सभी सामान मंदिर परिसर में पहुंच गया था, मंदिर परिसर को शादी की तरह सजाया गया भी था, लेकिन जैसे ही राजाजी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को यह जानकारी मिली तो उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी और सामान को उठवा दिया। इसे बाद केवल पूजा अर्चना और धार्मिक क्रिया की गई।

ये है मामला : राजाजी टाइगर रिजर्व में सुरेश्वरी देवी मंदिर स्थित है, यहां पर श्रद्धालु विभिन्न जगहों से दर्शन के लिए पहुंचते हैं। एक सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल हुई, इसमें कहा गया था कि मंदिर में केवल पूजा- अर्चना हो सकती है। इसमें आरोप लगाते हुए कहा गया कि रविवार को एक कैबिनेट मंत्री के बेटे का विवाह समारोह है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। इसको लेकर इंतजाम किया जा रहा है।

बिजली की व्यवस्था के लिए जनरेटर की व्यवस्था की जा रही है। इससे वन्यजीवों का मूवमेंट प्रभावित हो सकता है। आरोप था कि इसमें राजाजी टाइगर रिजर्व के अधिकारी भी मदद कर रहे हैं। यह मामला वन महकमे के उच्चाधिकारियों तक भी पहुंचा। इसके बाद वार्डन को मौके पर जांच के लिए भी भेजा गया।

उड़ान पर होगी आय

नोएडा एयरपोर्ट बनेगा कमाई का सुपरहब, 30 साल में एक लाख करोड़ की उड़ान

• लखनऊ, एजेंसी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के साथ सरकार की आय का बड़ा स्रोत बनने जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) को प्रति यात्री लगभग 496 रुपये की आय होगी।

अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में इस एयरपोर्ट से कुल कमाई एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। एयरपोर्ट परियोजना के चलते आसपास के क्षेत्रों में जमीन की मांग तेजी से बढ़ी है। अब केवल जमीन लेकर उसे खाली रखने वाले उद्योगों पर सख्ती की जा रही है। ऐसे मामलों में जमीन वापस ली जा रही है और तय समय पर इकाई स्थापित करने वाले उद्यमियों को प्राथमिकता दी जा रही है। यह जानकारी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने 'अमर उजाला' से विशेष बातचीत में दी। 24 अप्रैल को यीडा ने अपनी सिल्वर जुबली मनाई। पिछले एक वर्ष में विकास की गति में उल्लेखनीय तेजी आई है। नक्शा स्वीकृतियों की संख्या 33 से बढ़कर 400 हो गई है।

इकाइयों की संख्या 120 से बढ़कर 350 हो गई : 33 बड़ी इकाइयों में उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि निर्माणाधीन इकाइयों की संख्या 120 से बढ़कर 350 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक पिछले 24 वर्षों में 3048 भूखंड आवंटित किए गए थे, जबकि पिछले एक वर्ष में ही 78 नए आवंटन किए गए। इन भूखंडों के लिए 220 कंपनियों ने आवेदन

किया था। आवंटन पाने वालों में मिंडा, फिल्म सिटी, अंबर और एसेंट जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

पिछले 24 वर्षों में 2250 लीज प्लान जारी किए गए थे, जबकि केवल एक वर्ष में लगभग 500 नए प्लान को मंजूरी दी गई है। अगले एक वर्ष में यीडा क्षेत्र का आकार नोएडा और ग्रेटर नोएडा से भी बड़ा होने की संभावना है। वर्तमान में 800 इकाइयों के नक्शे पास हो चुके हैं, जिनमें से 400 इकाइयां जल्द ही जमीन पर उतरेंगी। मुकद-मेबाजी कम करने के लिए भी विशेष कार्ययोजना लागू की गई है, जिसके चलते हाईकोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 3000 से घटकर 600 रह गई है।

फार्मा और मेडिकल डिवाइस पार्क पर फोकस : ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है, जबकि यमुना सिटी में मेडिकल डिवाइस पार्क आकार ले रहा है। यहां दवाओं के बजाय इम्प्लांट्स, रेडियोलॉजी और एनेस्थीसिया से जुड़े उपकरण बनाए जाएंगे।

लगभग 50% क्षेत्र अनुसंधान एवं विकास (R&D) के लिए निर्धारित किया गया है। प्राधिकरण का दावा है कि यह पार्क 18 महीनों में तैयार हो जाएगा। यीडा के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा इंट-रनेशनल एयरपोर्ट के साथ यमुना सिटी क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। केवल जमीन लेकर काम न करने वाली इकाइयों पर सख्ती के अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस यह एयरपोर्ट वर्ष 2060-61 तक एक लाख करोड़ रुपये की आय वाला केंद्र बनेगा।

संक्षिप्त खबरें

20 मई को रवाना होगा श्रद्धालुओं का पहला जत्था,सीएम धामी को दिया निमंत्रण

देहरादून, एजेंसी। गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। उन्होंने आगामी यात्रा को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत भी कराया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को 20 मई 2026 को हेमकुंड साहिब यात्रा 2026 के पहले जत्थे के विदाई समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन-प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। यात्रा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि हेमकुंड साहिब यात्रा को सफल, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई 2026 को खुलने वाले हैं। 20 मई 2026 को हेमकुंड साहिब यात्रा 2026 के पहले जत्थे का विदाई समारोह आयोजित होगा। इस पहले जत्थे का नेतृत्व पारंपरिक रूप से पंज प्यारों द्वारा किया जाएगा।

सीएम धामी ने सुना 'मन की बात' का 133वां एपिसोड, कहा- इससे मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मोथरोवाला में बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न वर्गों के प्रेरक कार्यों, नवाचारों, स्टार्टअप, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण एवं लोक संस्कृति से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से सामने रखते हैं, जिससे लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ने आमजन के प्रयासों को एक मंच प्रदान किया है। इससे देश के कोने-कोने में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को पहचान मिल रही है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वातावरण बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम अनवरत रूप से निरंतर जारी है, जो करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहनत, परिश्रम और काम करने वाले लोगों को अवश्य फल मिलता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का मान, सम्मान, स्वाभिमान प्रत्येक क्षेत्र में बड़ रहा है। भारत बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। हमारा देश विज्ञान, रक्षा, ए.आई के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। आज हम रक्षा उपकरणों, हथियारों का अन्य देशों को निर्यात भी करते हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर दर्शाता है।

28 नवंबर को मनाया जाएगा आपदा प्रबंधन दिवस, बचाव अभियान हुआ था पूरा

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर प्रदेश में अब हर साल 28 नवंबर को आपदा प्रबंधन दिवस मनाया जाएगा। यह तारीख सिलक्यारा टनल बचाव अभियान की सफलता की याद में तय की गई है। इस दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। आपदा प्रबंधन विभाग आपदाओं से निपटने के लिए कई स्तरों पर काम कर रहा है। विभाग आपदा के प्रभावों को कम करने हेतु संसाधनों को लगातार बढ़ा रहा है। आपदा मित्र और युवा आपदा मित्र के माध्यम से स्थानीय स्तर पर तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। चेतावनी देने की व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने का प्रयास चल रहा है। विभाग ने राज्य में आपदा प्रबंधन दिवस मनाने का फैसला किया है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को आपदाओं के प्रति और अधिक सजग करना है। उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग में 12 नवंबर 2023 को फंसे 41 मजदूरों को 17 दिनों के लंबे और चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद 28 नवंबर 2023 को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अभियान पर देश-दुनिया की निगाहें टिकी हुई थीं। यह अभियान प्रदेश के लिए एक बड़ी सफलता थी। आपदा प्रबंधन विभाग संबंधित दिन के लिए गतिविधियों की योजना बना रहा है। इसमें मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम शामिल होंगे। कौन-कौन सी अन्य गतिविधियां की जाएंगी, इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। यह रूपरेखा उच्च स्तर पर प्रस्तुत की जाएगी। अनुमोदन मिलने के बाद ही संबंधित दिन गतिविधियां होंगी। आपदा प्रबंधन दिवस के दिन की जाने वाली गतिविधियों की योजना को तैयार किया जा रहा है, जिसका प्रस्ताव उच्च स्तर पर अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

बुलंदशहर ट्रिपल मर्डरः एक घर से उठीं तीन अर्थियां, रो पड़ा गांव

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा में मामूली विवाद ने ऐसा खौफनाक रूप ले लिया कि एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। बर्थडे पार्टी में केक चेहरे पर लगाने को लेकर शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते ट्रिपल मर्डर में बदल गया। अब जब तीनों शव घर पहुंचे तो पूरे इलाके में मातम पसर गया। एक ही घर से तीन अर्थियां उठने का मंजर देखकर गांव के लोग भी रो पड़े। घटना शनिवार देर रात थाना खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र के सुभाष रोड स्थित आरजेएस फिटनेस जिम की है। यहां फूटा दरवाजा मोहल्ला निवासी जीतू सैनी की जन्मदिन पार्टी चल रही थी। पार्टी में शामिल युवकों के बीच केक लगाने को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो गाली-गलौज और विवाद में बदल गई। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद आरोपी जीतू सैनी गुस्से में वहां से चला गया। करीब एक घंटे बाद वह अपने साथियों के साथ वापस लौटा। इस दौरान वह अपने भाई की लाइसेंसी पिस्टल लेकर आया था। जिम की पहली मंजिल पर पहुंचे आरोपी ने वहां बैठे अमरदीप (35), मनीष (32) और आकाश (19) पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। भागने की कोशिश कर रहे आकाश को भी आरोपी ने पीछा कर सिर में गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसपी सिटी, कई सीओ और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने 15 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मित्तल मॉल में लगी भीषण आग, पांच शोरूम खाक; धमाके से फैली आग

पानीपत, एजेंसी। सेक्टर 25 स्थित मित्तल मॉल में रात करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। बेसमेंट में से आग लगी और देखते ही देखते आधे मॉल को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से बाटा, जॉकी, लिबर्टी, वुडलैंड के शोरूम पूरी तरह से खाक हो गए। वहीं, मैकडोनाल्ड अव अन्य शो रूम को भी काफी नुकसान हुआ। उधर, आग लगने से पूरे क्षेत्र में खलबली मच गई। दमकल विभाग की आठ गाड़ी मौके पर आग बुझाने में जुटी हुई है। दुकानदार वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि मॉल में तीन दुकाने हैं। जिसमे जॉकी का शोरूम और मल्टीब्रेंड हैं। करीब 10 बजे बेसमेंट मव स्थित एक सैलून की और से आग की लपटें उठनी शुरू हुई। जिसे देखते ही उन्होंने बुझाने का प्रयास किया। लेकिन, देखते ही देखते आग तेजी से बढ़ गई और उनकी दुकान तक पहुंच गई। आग ने लिबर्टी, वुडलैंड, बाटा और अन्य कई दुकानों व शोरूम को अपनी चपेट में ले लिया। उधर, सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आठ टीमें आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। टीमो ने आग को फैलने से रोक दिया। लेकिन आग पर पूरी तरह से काबू नही पाया जा सका। जिस समय मॉल में आग लगी उस समय बड़ी संख्या में लोग मॉल में मौजूद थे। लेकिन, आग की सूचना के बाद तुरन्त ही पूरे मॉल को खाली करा दिया गया। जिससे लोगो मे अफरातफरी मच गई। थाना चांदनी बाग पुलिस ने भी मोर्चा संभाल लिया। शोरूम में आग लगने के बाद समय-समय पर कई जोरदार धमाके हुए जिससे लोगों में दहशत फैल गई लोगों की भीड़ घटनास्थल पर देर रात तक जुटी रही।

खन्ना के रिहायशी इलाके में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी भीषण आग

पंजाब, एजेंसी। खन्ना के एक रिहायशी इलाके वल्लभ मिल रोड में स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में रविवार सुबह करीब 8 बजे अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री के साथ खड़े पेड़-पौधे और घास तक आग की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद फायर विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फायर ब्रिगेड की सिर्फ एक ही गाड़ी मौके पर पहुंची, जो पानी खत्म होने के बाद दोबारा भरने गई तो काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इस दौरान लोगों ने खुद ही आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन प्लास्टिक फैक्ट्री होने के कारण आग तेजी से फैलती रही और धुआं भी काफी ज्यादा था। शिवसेना नेता अवतार मोरिया ने इस घटना पर प्रशासन को घेरते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 8 महीनों से इस फैक्ट्री को लेकर आरटीआई डाली हुई है और कई बार फोन के माध्यम से भी जानकारी मांगी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि रिहायशी इलाके में फैक्ट्री चलाने की अनुमति किस कानून के तहत दी गई और क्या इस फैक्ट्री के पास फायर विभाग की एनओसी है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन हमेशा किसी बड़े हादसे या जनहानि के बाद ही हरकत में आता है, उससे पहले नहीं। यह फायर विभाग और नगर कौंसिल की बड़ी लापरवाही है। स्थानीय लोगों ने भी नगर कौंसिल खन्ना पर सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों के बजट के बावजूद शहर में सिर्फ एक ही फायर ब्रिगेड गाड़ी होना चिंताजनक है। ऐसे में आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन क्यों नहीं उपलब्ध कराए जा रहे, यह बड़ा सवाल है।

कार छोड़ने के बदले मांगी रिश्वत: सीनियर कांस्टेबल 5 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

फरीदकोट (पंजाब), एजेंसी। पंजाब में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत विजिलेंस ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना जैतो में तैनात सीनियर कांस्टेबल विक्रम शर्मा को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई शिकायतकर्ता की पुख्ता शिकायत के आधार पर की गई। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता के अनुसार शिकायतकर्ता के खिलाफ एक झगड़े की शिकायत दर्ज हुई थी। इसी मामले में आरोपी कांस्टेबल उसे थाने ले गया और उसकी आल्टो कार थाने में खड़ी कर दी। इसके बाद कार छोड़ने के बदले 5 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई। शिकायतकर्ता ने आरोपी के साथ हुई पूरी बातचीत रिकॉर्ड की और रिश्वत देने से इनकार करते हुए विजिलेंस यूनिट फरीदकोट से संपर्क किया। प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस टीम ने इंस्पेक्टर अमनदीप कौर की अगुवाई में जाल बिछाया। दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को रिश्वत लेते मौके पर ही काबू कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस थाना फिरोजपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

स्मार्ट मीटर के सिम से नशा तस्करी, बॉर्डर पार से आ रहे ड्रग्स; खुफिया इनपुट के बाद एजेंसियां अलर्ट

फिरोजपुर, एजेंसी। स्मार्ट बिजली मीटर से बड़े खतरे की आहट सामने आई है। तस्कर मीटर में लगे सिम का इस्तेमाल लोकेशन शेयर कर ड्रग्स और हथियार मंगाने के लिए कर रहे हैं। दूसरी ओर विशेषज्ञों का कहना है कि इस सिम के दुरुपयोग से साइबर खतरे भी बढ़ सकते हैं। असामाजिक तत्व सिस्टम में सेंध लगाकर बड़े इलाके की बिजली आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हैं। स्थानीय तस्कर स्मार्ट मीटर के सिम का दुरुपयोग कर सीमा पार बैठे पाकिस्तानी तस्करों तक लोकेशन पहुंचा रहे हैं। इसके बाद सीमा पार से आने वाले ड्रोन उसी स्थान पर नशीले पदार्थ और हथियार गिरा रहे हैं। इससे तस्करों को फेंसिंग से काफी भीतर तक खेप पहुंचाने में आसानी हो रही है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के एक अधिकारी ने बताया कि इस इनपुट को अन्य एजेंसियों के साथ साझा किया गया है और कुछ मामलों को ट्रैक किया गया है। इन पर जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार यह तरीका सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। दरअसल पंजाब में पुराने मीटरों की जगह प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। कई जिलों में ये लग चुके हैं लेकिन इन्हें अभी पूरी तरह प्रीपेड या पोस्टपेड सिस्टम से नहीं जोड़ा गया है। इनमें चिपनुमा सिम और जीएसएम मॉड्यूल होता है जो सामान्य तौर पर बिजली खपत से जुड़ी जानकारी कंट्रोल रूम तक भेजता है।

पंजाब में फूटा आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा: सांसद के घर की दीवारों पर लिखा-गद्दार

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में जाने के बाद पंजाब में आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति अपना रोष व्यक्त करते हुए उनके आवास की दीवारों पर गद्दार लिख दिया। वहीं लुधियाना में आम आदमी को छोड़कर भाजपा में गए सांसद राजेंद्र गुप्ता के ऑफिस की दीवार पर पंजाब के गद्दार लिखा गया। हाल ही में भाजपा ज्वाइन करने वाले आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक व नेता प्रतिपक्ष रहे एडवोकेट एचएस फुलका ने कहा कि जिस तरह से केजरीवाल और भगवंत मान ने पंजाब को बर्बाद कर दिया है, उसे देखते हुए AAP में पंजाब की फिक्र करने वालों को उनके खिलाफ खड़े होकर बगावत करनी चाहिए। उन्होंने कहा राघव चड्ढा और अन्य सांसदों ने जिस हिम्मत के साथ अपनी आवाज़ उठाई है मैं उसकी तारीफ़ करता हूं। वहीं, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में विलय को 'निंदनीय' करार दिया है।

हजारों स्कूल सोसाइटियों को सीएम के आश्वासन की इंतजार, संघ ने लेटर जारी करवाने के लिए लिखा पत्र

• **चण्डीगढ़-हरियाणा, एजेंसी।**

हरियाणा प्राईवेट स्कूल संघ ने दी हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ सोसायटी एक्ट 2012 के तहत रिन्युवल हुई स्कूल सोसायटियों द्वारा समय पर वार्षिक फीस ऑनलाइन न करने के कारण उन पर लगाए गए जुर्माना माफ का लेटर जारी करवाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा है कि सोसाइटी एक्ट 2012 के अनुसार सभी पंजीकृत सोसायटी को रिन्यू करवाने के आदेश दिए गए थे। उन सोसायटियों से 700 रुपए वार्षिक शुल्क जमा करवाने के लिए वर्ष 2017 से ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरुआत की गई व फीस ऑनलाइन न करने पर 20 रूपए प्रतिदिन का जुर्माना निर्धारित किया गया, लेकिन किसी भी सोसायटी को इसकी सूचना नहीं दी गई।

वर्ष 2013 से यह जुर्माना लगा दिया गया जबकि ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरुआत 2017 से हुई।अब ये जुर्माना प्रति सोसायटी बहुत ज्यादा बन गया जिसका कोई भी नोटिस या सूचना स्कूलों या सोसायटियों को नहीं दी गई।

भ्रूण लिंग जांच को लेकर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार; अल्ट्रासाउंड मशीन बरामद

• **करनाल, एजेंसी।**

करनाल की मंगल कॉलोनी पार्ट-2 में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से भ्रूण लिंग जांच करने वाले एक व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी संजय के पास से पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन बरामद हुई है।

वह एक जांच के लिए करीब 30 हजार रुपये लेता था। कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य विभाग ने बोगस ग्राहक बनाकर जाल बिछाया। आरोपी ने गर्भवती महिला को जांच के लिए बुलाया और मोबाइल जैसी मशीन से लिंग जांच कर लड़की होने की जानकारी दी। इसी दौरान पहले से तैनात टीम ने इशारा मिलते ही दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। मौके से दो अन्य लोग फरार हो गए। डिप्टी सीएमओ डॉ. शीनु चौधरी के अनुसार, आरोपी पिछले 8 महीनों से यहां रह रहा था और मूल रूप से फफड़ाना गांव का निवासी है। उसके पास से एक संदिग्ध पहचान पत्र भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि मशीन ऑनलाइन मंगवाई गई थी और बिना रजिस्ट्रेशन के इस्तेमाल हो रही थी। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

NIT कुरुक्षेत्र में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: पूर्व निदेशक डॉ. रेड्डी का इस्तीफा मंजूर, जॉइंट रजिस्ट्रार सस्पेंड

• **कुरुक्षेत्र, एजेंसी।**

एनआईटी संस्थान में दो दिन तक रुकी तीन सदस्यीय टीम ने पूर्व निदेशक प्रो. बी.वी. रमना रेड्डी की भूमिका और उनके कार्यकाल के दौरान हुए कार्यों व सामने आए मामलों की समीक्षा की थी। जांच टीम ने इस बार सभी फाइलों को दोबारा खुलवाया और कुछ कागजात अपने साथ लेकर गई। पूर्व निदेशक डॉ. बी.वी. रमना रेड्डी का इस्तीफा मंजूर हो गया है।

उन्होंने जांच के दौरान अपना इस्तीफा दिया था, जिसे देर रात स्वीकार कर लिया गया। उनकी जगह अब प्रो. ब्रह्मजीत कार्यवाहक निदेशक के रूप में सेवाएं दे रहे थे। बता दें कि देर शाम जॉइंट रजिस्ट्रार (जीए) ज्ञान रंजन सामंतराय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। इस संबंध में संस्थान द्वारा आधिकारिक आदेश जारी किया गया था। वहीं अब पूर्व निदेशक का इस मामले में इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया गया है। इससे पहले 15 मार्च को डॉ. ज्ञान रंजन सामंतराय को रजिस्ट्रार के पद से हटाकर प्रो. ब्रह्मजीत को यह जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद जांच के दौरान बी.वी. रमना रेड्डी ने जैसे ही इस्तीफे की पेशकश की, तुरंत बाद 30 मार्च को विनोद मित्तल को रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त किया गया और प्रो. ब्रह्मजीत को कार्यवाहक निदेशक के रूप में तैनात किया गया। अब शनिवार देर रात बी.वी. रमना रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। एनआईटी संस्थान में दो दिन तक रुकी तीन सदस्यीय टीम ने पूर्व निदेशक प्रो. बी.वी. रमना रेड्डी की भूमिका और उनके कार्यकाल के दौरान हुए कार्यों व सामने आए मामलों की समीक्षा की थी। जांच टीम ने इस बार सभी फाइलों को दोबारा खुलवाया और कुछ कागजात अपने साथ लेकर गई।

वहीं, इस टीम का पिछला दौरा 7 अप्रैल को हुआ था, जिसमें टीम ने कुछ फाइलें मंगवाकर उनकी गहन जांच की थी। एनआईटी में जांच के लिए आई टीम में राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी फोरम (एनईटीएफ) के अध्यक्ष और एआईसीटीई के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, वीएनआईटी नागपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एम. मदन गोपाल (सेवानिवृत्त आईएएस) और एमएएनआईटी भोपाल के निदेशक प्रो. के.के. शुक्ला शामिल थे।

'आप' छोड़ते ही हरभजन सिंह की Z+ सिक्योरिटी वापस ली, मान सरकार का बड़ा एक्शन

• **चंडीगढ., एजेंसी।**

पंजाब की राजनीति में मचे घमासान के बीच राज्य सरकार ने राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह की Z+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। यह कदम हरभजन सिंह के आम आदमी पार्टी (AAP) से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के ठीक बाद उठाया गया है।

दलबदल के बाद बदला सुरक्षा का घेरा : सूत्रों के अनुसार, पंजाब पुलिस के सुरक्षा कर्मियों को वापस हेडक्वार्टर रिपोर्ट करने के आदेश दे दिए गए हैं। हरभजन सिंह उन सात राज्यसभा सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में राघव चड्ढा के नेतृत्व में 'आप' के साथ अपना नाता तोड़कर भाजपा का दामन थामा है। बता दें कि सात सांसदों हरभजन सिंह के साथ राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल और संदीप पाठक जैसे बड़े चेहरों ने भी भाजपा जॉइन की है।

आप कार्यकर्ताओं का उबाल, जालंधर से लुधियाना तक पुतले फूंके, दीवारों पर लिखा गद्दार : पंजाब में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों के भाजपा में जाने के बाद कार्यकर्ताओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। शनिवार को जालंधर और लुधियाना में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए। कार्यकर्ताओं ने सांसद हरभजन सिंह के आवास और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर नारेबाजी की और दीवारों पर काले रंग से गद्दार लिखकर विरोध जताया। जालंधर में प्रदर्शनकारियों ने सांसद अशोक मित्तल का पुतला फूंका और एलपीयू के बाहर लगे पोस्टरों पर काली स्याही पोती।

मूसेवाला के पिता को धमकी: 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' के रिलीज होने का किया था विरोध

• **पंजाब, एजेंसी।**

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर बन रही फिल्म लारेंस ऑफ पंजाब का विरोध करना सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह सिद्धू को भारी पड़ गया। उन्हें व्हाट्सएप पर विदेशी नंबर से धमकी भरा संदेश भेजा गया है जिसमें बम और गोली से उड़ाने की चेतावनी दी गई है।

धमकी में कहा गया है कि यह फिल्म हर हाल में रिलीज होगी और इसे कोई नहीं रोक सकता। संदेश में बलकौर सिंह को अपनी डॉक्यूमेंट्री छोड़कर खुद के लिए कफन तैयार करने तक की बात कही गई है। साथ ही दावा किया गया है कि उनके पास सभी की जानकारी है और अब वे किसी से पैसे नहीं लेंगे बल्कि सीधे कार्रवाई करेंगे। संदेश में कुछ राजनेताओं और पुलिस अधिकारियों के नाम का भी जिक्र किया गया है। बलकौर ने इस फिल्म का विरोध करते हुए कहा था कि इससे युवाओं को गलत संदेश जाएगा और अपराध को बढ़ावा मिलेगा। डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस हर पहलू से पड़ताल कर रही है।

पूर्व CM भजनलाल पर टिप्पणी से बिश्नोई समाज में उबाल, MP रेखा शर्मा बोलीं-मेरा इरादा अपमान करना नहीं था

• **हिसार, एजेंसी।**

राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल के शासनकाल को लेकर की गई विवादित टिप्पणी ने तूल पकड़ लिया है। बिश्नोई सभा, हिसार के पदाधिकारियों ने एक पत्रकारवार्ता आयोजित कर इस पर कड़ा रोष जताया और रेखा शर्मा से तुरंत माफी की मांग की।

तुच्छ भाषा का प्रयोग निंदनीय : बिश्नोई सभा के प्रधान जगदीश कड़वासरा ने कहा कि पंचकूला नगर निगम चुनाव के दौरान रेखा शर्मा ने चौधरी भजनलाल के शासनकाल को 'गुंडागर्दी' वाला बताकर अपनी गिरी हुई मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा, 'स्वर्गीय भजनलाल जी ने अपना पूरा जीवन जनसेवा और प्रदेश के विकास में लगाया। उनके बारे में ऐसी तुच्छ भाषा का इस्तेमाल करना न केवल गलत है, बल्कि उनके संस्कारों पर भी सवाल खड़े करता है।'

माफी की मांग : जगदीश कड़वासरा ने रेखा शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने बयानों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिश्नोई समाज अपने जननायक के अपमान को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

विवादित टिप्पणी पर रेखा शर्मा की सफाई : पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के शासनकाल को लेकर दिए गए अपने बयान पर मचे बवाल के बाद, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने अब इस मामले में अपनी स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा कि उनके बयानों को गलत तरीके से पेश किया गया है और उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष की गरिमा को ठेस पहुंचाना नहीं था।

व्यक्ति नहीं, कार्यशैली पर टिप्पणी : रेखा शर्मा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने भाषण के दौरान जो कहा था, वह तत्कालीन सरकार के काम करने के तरीके के बारे में था।

अब 10 मिनट से भी पहले पहुंचेगी स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस

• **चंडीगढ़, एजेंसी।**

हरियाणा की सड़कों पर बढ़ते हादसे अब सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि हर मिनट जिंदगी और मौत की जंग बन चुके हैं। कई मामलों में एंबुलेंस की थोड़ी सी देरी भारी पड़ जाती है। इसे देखते हुए राज्य सरकार अब अपने इमरजेंसी एंबुलेंस नेटवर्क की रफ्तार को तेजी देगी ताकि हादसे के बाद मदद मिनटों में पहुंचे, घंटों में नहीं। इसके लिए राज्य सरकार अपने एंबुलेंस बेड़े में 296 नई एंबुलेंस शामिल करने जा रही है।

इन एंबुलेंस के जरिये सरकार का लक्ष्य किसी भी हादसे या ट्रामा के स्पॉट पर दस मिनट से कम समय पर पहुंचने का रखा गया है। नए बेड़े में 70 एंबुलेंस एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट वाली होंगी। 59 को आउटसोर्सिंग के जरिये शामिल किया जाएगा। बाकी 167 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एंबुलेंस की खरीद प्रक्रिया जारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया, ट्रॉमा, हार्ट अटैक और सड़क हादसों जैसी आपात स्थितियों में हर मिनट की अहमियत होती है। खासतौर पर हाईवे और घनी आबादी वाले शहरों में बढ़ती इमरजेंसी कॉल्स को देखते हुए त्वरित प्रतिक्रिया बेहद जरूरी हो गई है। कोशिश है कि जरूरत के समय एंबुलेंस दस मिनट से कम समय पर पहुंचे। मार्च का हमारी एंबुलेंस का औसत 9.29 मिनट का आया है। अब इसे नौ मिनट के आसपास ही रखना है। इस पर खासी निगरानी की जा रही है। अमर उजाला ने एंबुलेंस की कमी का भी मुद्दा उठाया था।

सात जिलों में एंबुलेंस की संख्या बढ़ेगी : राज्य में फिलहाल 550 एंबुलेंस हैं। इनमें 210 के वाहन अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं। गुरुग्राम में 27 एंबुलेंस को बढ़ाकर 35, फरीदाबाद में 20 से 27, पंचकूला में 21 से 27, यमुनानगर में 20 से 25, हिसार में 30 से 33, करनाल में 30 से 31 और सिरसा में 32 से 37 एंबुलेंस तैनात करने का प्रस्ताव है। इस विस्तार का मकसद आपातकालीन प्रतिक्रिया समय को कम करना और दुर्घटना या गंभीर मरीजों तक तेजी से चिकित्सा सहायता पहुंचाना है।

11 साल की बच्ची से दुष्कर्म: दीवार फांदकर आया आरोपी, जान से मारने की धमकी देकर हुआ फरार

• **पानीपत, एजेंसी।**

समालखा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 11 साल की बच्ची से पड़ोस में रिश्तेदारी में आए युवक ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद जान से मारने की धमकी देकर आरोपी वहां से भाग गया। अगले दिन जब बच्ची के पेट में दर्द हुआ तो उसने अपनी चाची को आपबीती बताई। परिजनों ने तुरंत थाने पर पहुंचकर शिकायत दी। समालखा थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

एक व्यक्ति ने थाने में दी शिकायत में बताया कि बुधवार रात को उनका परिवार घर में सो रहा था। उनकी 11 साल की बेटी आंगन में लेटी थी। रात को पड़ोस में रिश्तेदारी में आया युवक दीवार कूदकर उनके घर में घुस गया और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया, साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। डर के कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया लेकिन, अगले दिन जब उसके पेट में दर्द हुआ तो परिजनों को कुछ शक हुआ। चाची ने बच्ची को अपने पास बुलाकर पूरी घटना की जानकारी ली तो बच्ची ने आपबीती बता दी, इसके तुरंत बाद परिजन बच्ची को थाने लेकर पहुंचे और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत ही आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। बच्ची का मेडिकल और बयान दर्ज किए गए हैं। बाल कल्याण समिति के सामने भी उसकी काउंसिलिंग करवाई जाएगी। वहीं, पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लगा है। एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत देकर 11 साल की लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। -दीपक, प्रभारी थाना समालखा।

सीएम सैनी का एलान

अब एप से पता चलेगी फसल के भुगतान की स्थिति, व्हाट्सएप पर मिलेगा जे-फार्म

• **चण्डीगढ़-हरियाणा, एजेंसी।**

हरियाणा के किसानों को अगले सीजन से अपनी फसल बेचने के लिए मंडी में बैठकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हरियाणा सरकार जल्द ही किसान ई-खरीद एप लॉन्च करेगी। इस एप की मदद से किसानों को जे-फॉर्म, भुगतान की स्थिति, भूमि बुवाई एवं उपज सत्यापन की स्थिति, गेट पास शेड्यूलिंग (अगली सरसों फसल से प्रारंभ), भूमि सत्यापन की स्थिति व सभी सूचनाएं किसान ई-खरीद एप पर ही उपलब्ध होंगी। इससे खरीद कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी।

वहीं, अगले सप्ताह से सभी किसानों को व्हाट्सएप पर क्यूआर कोड आधारित जे फार्म भेजा जाएगा ताकि उन्हें ऋण या अन्य सुविधाओं के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ें। यह एलान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में किए। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में अब तक हुई गेहूं खरीद का ब्योरा देते हुए कहा कि रबी सीजन 2026-27 में प्रदेश की मंडियों में गेहूं की बंपर आवक हुई है। इसने पिछले चार साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सरकार ने खरीद प्रबंधों को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जिसके चलते प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और किसानों को समय पर भुगतान भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा अब तक प्रदेश की मंडियों में 21 हजार 44 करोड़ रुपये मूल्य की 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले 4 वर्षों में सर्वाधिक है। अकेले 11 अप्रैल को एक ही दिन में 7 लाख 71 हजार मीट्रिक टन गेहूं की रिकॉर्ड आवक हुई। उन्होंने कहा कि अब तक 5 लाख 80 हजार किसान अपनी उपज लेकर मंडियों में पहुंच चुके हैं। हर किसान की पहचान डिजिटल गेट पास के माध्यम से की जा रही है।

इसके साथ ही 79 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूं का बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, जो लगभग 97 प्रतिशत है। प्रदेश की मंडियों में 70 लाख 23 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद पूरी हो चुकी है, साथ ही प्रदेश की मंडियों से 34 लाख 56 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है।

पहले ढाई महीने का सीजन होता था, अब 15 दिन का : मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि पहले गेहूं की कटाई और फसल बेचने का सीजन ढाई महीने का होता था। अब यह सीजन सिमटकर 15 दिन में आ गया है। इससे थोड़ी बहुत परेशानी आती है। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल से उठान प्रक्रिया में और तेजी आई है। अब प्रतिदिन साढ़े 3 लाख मीट्रिक टन का उठान हो रहा है। पिछले वर्ष से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि रबी सत्र 2025-26 में जहां कुल 72 लाख 89 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। वहीं, इस वर्ष अब तक 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है।

किसानों को नहीं, सिर्फ विपक्ष को दिक्कत : विपक्ष पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा कि पूर्व की सरकारों के समय न डिजिटल व्यवस्था थी, न पारदर्शिता थी, न समय पर भुगतान होता था। किसानों को मंडियों में लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता था। कागजी टोकन बनते थे और भुगतान के लिए हफ्तों, कभी-कभी महीनों का इंतजार करना पड़ता था। बोले-मंडियों में सब व्यवस्थाएं ठीक हैं। किसी भी किसान को दिक्कत नहीं है, सिवाय विपक्ष को।

सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को हराया, वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी गई बेकार

• जयपुर, एजेंसी

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 36वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया है। इस दौरान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 229 रनों का लक्ष्य रखा जिसे सनराइजर्स हैदराबाद ने आसानी से हासिल कर लिया।

सीजन में पहली बार वापसी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने अपने मैदान पर पहले बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर बनाया। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने टीम को तेज शुरुआत दी, लेकिन फिर जायसवाल 40 रन के स्कोर पर चलते बने। वह 8 गेंदों में 10 रन ही बना सके। हालांकि उनके आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल और सूर्यवंशी ने पारी को विस्फोटक अंदाज में आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। जुरैल 35 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए।

वहीं सूर्यवंशी ने अपना आक्रामक रूप दिखाते हुए महज 36 गेंदों में शतक जड़ा। ये आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक जड़ने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी 103 रनों की पारी के दौरान छक्के ज्यादा लगाए और चौके कम। सूर्यवंशी ने 12 छक्के और 5 चौके जड़े।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन काफी महंगे साबित हुए। इन दोनों गेंदबाजों को 1-1 विकेट ही मिला। लंबे समय बाद वापसी कर रहे पैट कमिंस ने चार ओवर में 27 रन देकर 1 विकेट लिया। ईशान मलिंगा ने दो विकेट मिले। तो नीतीश कुमार रेड्डी को महज 1 विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने ट्रेविस हेड को 6 रन के निजी और 7 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। हालांकि, इसके बाद ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने पारी को संभाला और 55 गेंदो में 132 रनों की साझेदारी की। जहां अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन बनाए वहीं ईशान किशन ने 31 गेंदों में 71 रन की पारी खेली। वहीं इसके बाद हेनरिक क्लासेन ने 24 गेंदों में 29 तो नीतीश कुमार रेड्डी ने 18 गेंदों में 36 रन बनाए। इस मैच में सलिल अरोरा 3 गेंद में 8 रन और अनिकेत वर्मा 1 गेंद में 1 रन बनाकर जीत के साथ मैदान से लौटे। हैदराबाद ने 229 रन का स्कोर 18.3 ओवर में 9 गेंद शेष रहते 5 विकेट से हासिल कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी मेरा नया फेवरेट खिलाड़ी, 15 साल के बच्चे के फैन क्यों बने कप्तान पैट कमिंस?

• हैदराबाद, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी को अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण एक नया प्रशंसक मिल गया है और यह कोई और नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं जो इस 15 वर्षीय खिलाड़ी के बल्लेबाजी के तरीके से बेहद प्रभावित हैं। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की तरफ से खेलने वाले युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। उन्होंने कमिंस की अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 37 गेंद में 103 रन बनाए जो उनका आईपीएल में दूसरा शतक है। इसके बावजूद हालांकि उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। आरआर ने छह विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। एसआरएच ने राजस्थान की खराब फील्डिंग का फायदा उठाते हुए 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाकर अपनी पांचवीं जीत दर्ज की।

'वैभव सूर्यवंशी मेरा नया फेवरेट खिलाड़ी है'

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने शनिवार को मैच के बाद कहा, ''हां, मुझे लगता है कि वह मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। वह गेंद पर जोर से प्रहार करता है। उसे खेलते हुए देखने में मजा आता है।'' सूर्यवंशी ने अपने करियर की जिस तरह की शुरुआत की है, उससे कमिंस काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, ''एक गेंदबाज के रूप में आपको सटीक गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वह बेहद प्रभावशाली बल्लेबाज है। उसने अपने करियर की शानदार शुरुआत की है और मुझे उसका खेलने का तरीका बहुत पसंद है।''

पिच हालांकि सपाट हैं जिन पर बल्लेबाजों की तूती बोल रही है, लेकिन कमिंस का मानना है कि जब तक ऐसी पिचें टी20 मैचों तक ही सीमित हैं तब तक उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यही स्थिति है। विकेट भले ही सपाट हों, लेकिन यह केवल 20 ओवर का मैच है। यह कोई टेस्ट मैच नहीं है जहां पिच सपाट होने पर खिलाड़ी पांच दिन बल्लेबाजी कर रहा हो। इसलिए मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है।''

कमिंस का मानना है कि इस तरह की पिचें गेंदबाजों की परीक्षा लेती हैं और इस तरह के टूर्नामेंट के लिए पांच शीर्ष गेंदबाजों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा, ''हमने अपनी टीम को इस तरह से तैयार किया है कि हम बल्लेबाजी में बड़े स्कोर बनाने की कोशिश करें और गेंदबाज कम से कम रन दें। मुझे लगता है कि इस तरह की परिस्थितियों में आपको पांच अच्छे गेंदबाजों की जरूरत होती है।''

विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ा मानते हैंः मैथ्यू हेडन

• नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्पोर्ट्स लीग माना जाता है, जिसमें हर क्रिकेटर खेलना चाहता है। कई विदेशी खिलाड़ी तो आईपीएल में खेलने के लिए अपने अंतर-राष्ट्रीय करियर से संन्यास तक ले लेते हैं, क्योंकि अक्सर राष्ट्रीय बोर्ड उन्हें एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने में आनाकानी करते हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन ने आईपीएल को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण समझते हैं।

मैथ्यू हेडन ने एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए बताया, अलग-अलग टीमों से बात करने पर मुझे लगता है कि विदेशी खिलाड़ी, खासकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी, हम (ऑस्ट्रेलियाई) कुछ हद तक, न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ी, इस कॉम्पिटिशन को ऐसे दिखाते हैं जैसे यह इंटरनेशनल क्रिकेट से भी बड़ा हो। हेडन ने इस सोच के पीछे के कारणों को भी समझाया। उनका कहना है कि आईसीसी ने अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में आईपीएल के लिए एक विशेष विंडो दी हुई है, जिस दौरान बहुत कम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेली जाती है।

हेडन ने बताया कि आईपीएल के बारे में बहुत अधिक प्रचार और हाइप है, और यह लगभग दो महीने तक पूरे देश पर हावी रहता है।

उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि वे ऐसा क्यों करते हैं? क्योंकि इसके बारे में बहुत हाइप है। जब आप यहां आईपीएल में होते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप ब्रॉडकास्टिंग कर रहे हैं, या सिर्फ सड़कों पर एक आम व्यक्ति हैं, या हम अभी दूसरी तरफ हैं। यह पूरे आईपीएल के समय पर हावी हो जाता है। यह हर दिन सिर्फ क्रिकेट है। कभी-कभी तो दिन में दो बार भी। खुद मैथ्यू हेडन भी आईपीएल के शुरुआती सीज़न का हिस्सा रहे थे।

उन्होंने 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 12 मैचों में 572 रन बनाए थे, जो उनके आईपीएल करियर की बेहतरीन पारियों में से एक थी। इस साल भी कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल में 15 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम मिल रही है, जो इस लीग के बढ़ते कद को दर्शाता है।

इशान किशन का बड़ा खुलासा, 'टीम इंडिया' से बाहर होकर रोया नहीं, सिर्फ रन बनाए'

• नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने खुलासा किया कि भारतीय टीम से लगभग दो साल तक बाहर रहने पर निराश होने के बजाय उन्होंने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता लाने के लिए अपने खेल में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया। किशन ने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की। इससे पहले उन्होंने घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी संभव हो पाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में झारखंड में इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने वाले किशन ने जिओहॉटस्टार से कहा, ''जब मैं भारतीय टीम से बाहर था तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नही रो सकता या उदास नहीं हो सकता।

किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो।'' किशन ने कहा कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई और इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ''लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी रोजी-रोटी है।'' किशन ने कहा, ''जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है।

मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।'' किशन ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा, ''इतने वर्षों तक तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में खेलने के बाद अगर आप अच्छी तरह से सामंजस्य बिठा लेते हैं तो फिर आप आखिर तक बल्लेबाजी करने और बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करते हैं। मैं चीजों को सरल बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता हूं।''

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह युवा खिलाड़ी एक अनुभवी पेशेवर की तरह बल्लेबाजी करता है और देश का अगला ''सुपरस्टार'' बन सकता है। कैफ ने कहा, ''वैभव सूर्यवंशी एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाली प्रतिभा हैं। वह विलक्षण खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में ऐसा दबदबा बनाए हुए है जैसे गली क्रिकेट खेल रहे हों। वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है जिसने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेली हो। अगर वह फिट रहें, जीतने की ललक बनाए रखें और अपना ध्यान केंद्रित रखें तो भारतीय क्रिकेट को अगले 20 से 25 वर्षों के लिए अगला सुपरस्टार मिल गया है।

हफ्तेभर में चांदी 10,000, तो सोना 1,300 प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ

• नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह कीमती धातुओं, खासकर सोने और चांदी, की चमक कुछ फीकी पड़ गई। प्रॉफ़िट बुकिंग और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों के चलते दोनों धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, हालांकि शुक्रवार को बाजार में कुछ सुधार देखा गया। बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की स्थिति में बदलाव का डर कायम है।

इस सप्ताह कीमती धातुओं के बाजार में प्रॉफ़िट बुकिंग का दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जिसके कारण सोने की कीमतों में 0.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी ने भी बड़ी गिरावट दर्ज की, एक हफ्ते से भी कम समय में इसकी कीमतों में करीब 10,000 प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमत अब 1,52,700 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि चांदी की कीमत :2,44,321 प्रति किलोग्राम है।

पांच दिन पहले, यानी 20 अप्रैल को एमसीएक्स पर सोना 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था, जबकि चांदी 2,54,000 रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकल गई थी। इस प्रकार, सोने में प्रति 10 ग्राम पर लगभग 1,300 रुपए की और चांदी में लगभग 9,679 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है। हालांकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी तेज़ी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने के जून फ़्यूचर्स में 0.61 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि चांदी के मई फ़्यूचर्स में 1.39% की मामूली बढ़त दर्ज की गई। इस तेज़ी का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति को लेकर बढ़ती उम्मीदें मानी जा रही हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निचले स्तरों पर चुनिंदा खरीदारी देखने को मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता का कोई स्पष्ट समाधान न निकलने के कारण बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि यदि भू-राजनीतिक तनाव में फिर से कोई तेज़ी आती है, या वैश्विक स्तर पर डॉलर की स्थिति में कोई बदलाव होता है, तो एमसीएक्स पर घरेलू कमोडिटी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

बैंक कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, जल्द सैलरी होगी रिवाइज

• नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप सरकारी बैंक के कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से 13वें द्विपक्षीय समझौते के लिए बातचीत की प्रक्रिया को समय-सीमा के भीतर शुरू करने और अगले 12 महीनों में इसे अंतिम रूप देने को कहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन में संशोधन 1 नवंबर, 2027 से लागू होगा।

हर 5 साल में संशोधन

आपको बता दें कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों सहित वित्तीय संस्थान अपने कर्मचारियों के वेतन का संशोधन हर पांच वर्ष में करते हैं। इस प्रक्रिया के तहत भारतीय बैंक संघ (आईबीए) कर्मचारी संगठनों और संघों के साथ बातचीत कर सहमति से वेतन समझौता करता है।

वित्तीय सेवा विभाग ने एक पत्र के माध्यम से बैंकों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे आगामी वेतन संशोधन के लिए बातचीत शुरू करने के आवश्यक कदम उठाएं। बीस अप्रैल के इस पत्र में कहा गया है कि बातचीत की प्रक्रिया अधिकतम 12 महीनों में पूरी कर ली जानी चाहिए।

पिछले समझौते से पहले वित्त मंत्रालय ने भारतीय बैंक संघ से कहा था कि भविष्य में सभी वेतन वार्ताएं निर्धारित अवधि से पहले ही पूरी कर ली जाएं, ताकि संशोधित वेतन समय पर लागू किया जा सके। पत्र में यह भी कहा गया कि पूर्व में समझौतों के बाद नियमों में आवश्यक संशोधन करने में काफी देरी हुई है। इसलिए इस बार यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित नियमों में बदलाव अगले वेतन समझौते की निर्धारित तिथि से पहले ही पूरे कर लिए जाएं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रिकॉर्ड मुनाफा

बता दें कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 25 में रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है और उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में भी यह गति बनी रहेगी। सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल मुनाफा वित्त वर्ष 23 में 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करके 1.05 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद वित्त वर्ष 24 में यह बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह सुधार बेहतर एसेट क्वालिटी, लगातार क्रेडिट ग्रोथ, पर्याप्त कैपिटल बफ़र्स और एसेट्स पर बढ़ते रिटर्न की वजह से हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बैलेंस शीट में भी लगातार सुधार देखने को मिल रहा है।

केंद्रीय कर्मचारियों को भी मिलेगा तोहफा

साल 2027 में केंद्रीय कर्मचारियों को भी तोहफा मिलेगा। दरअसल, आठवें वेतन आयोग को सिफारिशें सरकार को सौंपने की समयसीमा मई 2027 तक की है। हालांकि, वेतन आयोग अपनी सिफारिशें जो भी देगा उसे बैकडेट में एक जनवरी 2026 से लागू किए जाने की उम्मीद है।

साप्ताहिक समीक्षा

पश्चिम एशिया में जारी तनाव से घबराया शेयर बाजार, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा रही दबाव

• नई दिल्ली, एजेंसी।

पश्चिम एशिया में जारी जंग और कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी की वजह से घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,829.23 अंक यानी 2.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,664.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 455.60 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया।

हालांकि सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद की वजह से पहले दो कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख बना रहा, लेकिन यह तेजी टिक नहीं सकी। दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित शांति वार्ता के टल जाने की वजह से बुधवार से लेकर शुक्रवार तक शेयर बाजार लगातार दबाव में कारोबार करता रहा। सप्ताह के इन तीन आखिरी कारोबारी दिन की बात करें तो बुधवार से शुक्रवार के कारोबार में सेंसेक्स में 2,609.12 अंक यानी 3.29 प्रतिशत की गिरावट आ गई। इसी तरह निफ्टी भी आखिरी तीन दिन के कारोबार में 678.65 अंक यानी 2.76 प्रतिशत लुढ़क गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने घरेलू शेयर बाजार पर लगातार दबाव बनाए रखा। इस बीच आईटी सेक्टर में हुई जोरदार बिकवाली ने घरेलू शेयर बाजार पर दबाव को और भी अधिक बढ़ा दिया। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि आईटी सेक्टर में हुई बिकवाली से आईटी इंडेक्स तो प्रभावित हुआ ही, इसके कारण स्टॉक मार्केट के सेंटीमेंट्स पर निगेटिव इफेक्ट भी पड़ा। बाजार पर बने दबाव के कारण निफ्टी ने अपने 20-डे एक्स्पोनेंशियल मूविंग एवरेज 23,900 अंक के अपने सपोर्ट लेवल को भी ब्रेक कर दिया। इस लेवल के नीचे जाने से इस बात का संकेत भी मिलता है कि आने वाले दिनों में स्टॉक मार्केट के सेंटीमेंट्स कमजोर रह सकते हैं।

धामी के अनुसार इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की बड़ी गिरावट में घरेलू और विदेशी दोनों कारक काफी प्रभावी रहे। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति वार्ता गतिरोध, क्रूड ऑयल की कीमत में जोरदार तेजी, रुपये में कमजोरी और विदेशी फंडों की लगातार बिकवाली की वजह से इस सप्ताह बाजार पर दबाव बढ़ गया। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इकोनॉमिक स्लोडाउन के शुरुआती संकेत दिए हैं।

पेज 1 का शेष

'मां, माटी मानुष'...

कन्याश्री (शिक्षा के लिए आर्थिक मदद), रूपाश्री (शादी के लिए सहयोग) और मुक्तिर आलो (व्यावसायिक प्रशिक्षण) जैसी योजनाएं शामिल हैं।

इन योजनाओं के कारण राज्य की महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि वे एक बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में भी उभरी हैं, जो अक्सर चुनाव के नतीजों को तय करती हैं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले रविवार को बड़ा ऐलान किया। अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो केंद्र की पीएम किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर सालाना 9 हजार रुपये कर दिया जाएगा। वर्तमान में पूरे देश में किसानों को इस योजना के तहत सालाना 6 हजार रुपये दिए जाते हैं, जो हर चार महीने में 2-2 हजार रुपये के तीन किस्तों में बैंक खातों में ट्रांसफर होते हैं। बनगांव में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर दिया।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि TMC गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आसनसोल में बेरहमी से की गई इस हत्या का शिकार चटर्जी, कांग्रेस प्रत्याशी प्रसेनजीत पुइतांडी के करीबी सहयोगी थे।

बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होने जा रहा है। पहले चरण में हिंसा की घटनाओं के बीच आरोप प्रत्यारोपों का दौर जारी है, अब देखना यह है कि वोटिंग के बाद सियासी ऊंट किस करवट बैठता है।

बगावत के बीच बंगाल...

भाजपा ने दिल्ली में लागू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को उलट दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो पश्चिम बंगाल की योजनाओं पर भी रोक लग सकती है। केजरीवाल ने कहा, 'आज उन्होंने दिल्ली में हमारा सारा अच्छा काम नष्ट कर दिया। हमने अच्छी स्कूल बनाए, उन्होंने बंद कर दिए।

हमने मोहल्ला क्लिनिक बनाए, महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त की, लेकिन उन्होंने रोक दी। हमने बिजली मुफ्त की, वे उसे भी रोकने वाले हैं। दीदी ने यहां जो काम किए हैं, अगर आप गलती से उन्हें वोट दे दिए तो वे सब बंद कर देंगे।' पहले चरण में 23 अप्रैल को मतदान हुआ था, जिसमें रिकॉर्ड 92.35% मतदान दर्ज किया गया। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

व्हाइट हाउस शूटिंग पर....

वाशिंगटन की मेयर मुरियल बाउजर ने शनिवार रात कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं के रात्रिभोज के दौरान गोलीबारी करने वाला संदिग्ध बंदूकों और चाकुओं से लैस था और माना जा रहा है कि उसने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। एक संवाददाता सम्मेलन में मेयर ने कहा, ''अब तक की जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का कोई सुराग नहीं मिला है।

सभी संकेत यही इशारा करते हैं कि हमलावर ने अकेले इस घटना को अंजाम दिया।'' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आम जनता को किसी खतरे की आशंका नहीं है। दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि संदिग्ध की पहचान कैलिफोर्निया के टॉरेंस निवासी 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है।

अगले हफ्ते लेह का ...

चर्चा शामिल हो सकती है।

साथ ही, इस दौरे को क्षेत्र में पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे लद्दाख की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत हो सके।

‘खलनायक’ की वापसी! संजय दत्त ने किया ‘बल्लू बलराम’ के कमबैक का ऐलान, मान्यता अपने आँसू नहीं रोक पाईं

• नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड के 'खलनायक' एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान संजय दत्त ने अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म के सीक्वल 'खल-नायक रिटर्न्स' की आधिकारिक घोषणा की। इस ऐतिहासिक पल ने न केवल प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया, बल्कि संजय की पत्नी मान्यता दत्त को भी भावुक कर दिया। इस कार्यक्रम के वीडियो, जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहे हैं, उनमें मान्यता को निर्माता अक्षा कंबोज को भावुक होकर गले लगाते हुए देखा जा सकता है, जबकि संजय मंच पर उनके बगल में खड़े थे।

संजय की लंबे समय से प्रतीक्षित सीक्वल पर मान्यता की राय

कार्यक्रम के एक अन्य वीडियो में, मान्यता को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वीडियो देखकर उनके ‘रोंगटे खड़े हो गए‘ और उन्होंने इस सीक्वल को एक ऐसी फ़िल्म बताया जिसे संजय लंबे समय से बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, और लोगों से मिले प्यार ने ही उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी है। उन्होंने आगे कहा कि अभिनेता अक्सर उन किरदारों में वापस आना चाहते हैं जिन्होंने उन्हें एक पहचान दी हो, और 'खलनायक' फ़िल्म का 'बल्लू बलराम' संजय के लिए ऐसा ही एक यादगार किरदार है।

मान्यता ने यह भी बताया कि इस सीक्वल को लेकर चर्चाएँ एक दशक से भी ज़्यादा समय से चल रही थीं। उन्होंने याद करते हुए कहा कि अक्सर शाम के समय घर पर खाने-पीने और बातचीत के दौरान इस फ़िल्म को बनाने का विचार सामने आता था। इसे एक ‘पैशन प्रोजेक्ट‘ बताते हुए उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इस फ़िल्म को बनाने के बारे में बातें करते आ रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि 'खलनायक रिटर्न्स' 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' का पहला प्रोडक्शन होगा। 'जियो स्टूडियोज़' और 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' इस फ़िल्म के सह-निर्माता हैं।

एक कल्ट क्लासिक की वापसी

'खलनायक रिटर्न्स' फ़िल्म 'खल-नायक' का ही सीक्वल है, जो 1993 में सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी। इस नई फ़िल्म के टीज़र में संजय को एक बार फिर 'बल्लू बलराम' के किरदार में देखा जा सकता है। वीडियो में, वह एक व्यक्ति को याद दिलाते हैं कि 10 अक्टूबर की रात 10 बजे 'बल्लू' जेल से फ़रार हो गया था। सिगरेट पीते हुए वह अचानक यह डायलॉग बोलते हैं, ‘नायक नहीं, खलनायक हूँ मैं,‘ और फिर अपने ही अंदाज़ में वहाँ से चले जाते हैं।

एक आधिकारिक बयान में, संजय ने कहा कि फ़िल्म 'खलनायक' हमेशा उनके दिल के बहुत करीब रही है और लोग आज भी इसे बड़े प्यार से याद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस फ़िल्म को दोबारा बनाना उनका एक पुराना सपना था, और उन्होंने यह भी बताया कि इस फ़िल्म के अधिकार (राइट्स) कानूनी तौर पर हासिल कर लिए गए हैं। उन्होंने ओरिजिनल फ़िल्म के डायरेक्टर सुभाष घई और उनके बैनर मुक्ता आर्ट्स का भी शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने उन्हें इस विरासत को संभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि उनकी टीम को उम्मीद है कि वे पुराने फ़ैन्स के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए भी कुछ ख़ास बनाएगी।

बल्लू बलराम संजय के करियर के सबसे अहम किरदारों में से एक है। उन्होंने सुभाष घई की 1993 की फ़िल्म में एक एंटी-हीरो का किरदार निभाया था, जो एक कमर्शियल हिट साबित हुई थी। माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ के साथ बनी फ़िल्म 'खल-नायक' अपने म्यूज़िक और कलाकारों की ज़बरदस्त परफ़ॉर्मेंस के लिए काफ़ी मशहूर हुई थी।

अक्षय कुमार की भूत बंगला का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, 9 दिन में 100 करोड़ का आंकड़ा पार

• मुंबई, एजेंसी

अक्षय कुमार की नई फिल्म भूत बंगला दर्शकों को बहुत पसंद आ रही है और बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने रिलीज के महज 9 दिनों में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। हॉरर-कॉमेडी जॉनर की इस फिल्म को लोग काफी प्यार दे रहे हैं, जिससे इसकी कमाई में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई

डायरेक्टर प्रियदर्शन की इस फिल्म ने दूसरे हफ्ते के शनिवार को शानदार प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने 9वें दिन करीब 10.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। पहले हफ्ते में फिल्म ने 84.40 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद आठवें दिन 5.75 करोड़ और नौवें दिन की कमाई को मिलाकर फिल्म का कुल कलेक्शन अब 100.90 करोड़ रुपये हो गया है। वीकेंड पर दर्शकों की भीड़ बढ़ने से फिल्म की कमाई में अच्छा उछाल आया है।

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी एक बार फिर हिट साबित हुई है। इससे पहले 2007 में आई भूल भुलैया जैसी फिल्मों ने भी लोगों को खूब मनोरंजन दिया था। भूत बंगला में हॉरर और कॉमेडी का अच्छा मेल है, जो लोगों को काफी लुभा रहा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, राजपाल यादव और परेश रावल जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आ रही है।

प्रियंका चोपड़ा को मिलेगा ‘ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर’

• मुंबई, एजेंसी

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित 'गोल्ड गाला 2026' में उन्हें प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में आयोजित होगा, जहां मनोरंजन और कला जगत की कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां मौजूद रहेंगी।

प्रियंका को यह सम्मान फिल्म जगत में उनके 25 वर्षों के योगदान और एशियाई प्रशांत संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी भूमिका के लिए दिया जा रहा है। गोल्ड हाउस के अनुसार, प्रियंका ने भारतीय सिनेमा और हॉलीवुड के बीच एक मजबूत सेतु का काम किया है और अपनी प्रतिभा से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है। इस सम्मान समारोह में चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे अन्य चर्चित नाम भी सम्मानित किए जाएंगे।

'गोल्ड गाला' का यह पांचवां संस्करण होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 650 से अधिक मेहमान गोल्ड 100 सूची में शामिल हस्तियों का जश्न मनाने के लिए एकत्र होंगे। प्रियंका का नाम इस सूची में शामिल होना उनके लगातार बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। अभिनय के साथ-साथ वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स के जरिए भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स से जुड़ी रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने बीते कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है। आने वाले समय में वह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म ‘वाराणसी’ में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

दूसरी बार ठगी का शिकार हुए अर्चना के बेटे आयुष्मान, इस बार लगा 87 हजार का चूना

• मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी के बेटे आयुष्मान सेठी हाल ही में एक क्रेडिट कार्ड स्कैम का शिकार हो गए। इस ठगी में उनके खाते से 87,000 रुपये कट गए। यह घटना उनके बड़े भाई आर्यमान सेठी के यूट्यूब व्लॉग के जरिए सामने आई। हालांकि, शुरुआत में घबराहट हुई, लेकिन बाद में पूरा परिवार आयुष्मान की इस गलती पर खूब हंसा और मजाक करता नजर आया।

कैसे हुआ था स्कैम?

आयुष्मान ने बताया कि उन्होंने एक सर्विस का 7 दिन का 'फ्री ट्रायल' लिया था, लेकिन धोखाधड़ी करने वालों ने पूरे साल का पैसा एक बार में काट लिया। जैसे ही आयुष्मान को पता चला कि उनके खाते से 87,000 रुपये कट गए हैं, वे घबरा गए और परिवार को बताया।

परिवार का मजेदार रिएक्शन

व्लॉग में जब आयुष्मान ने बताया कि उनके कार्ड से 87 हजार रुपये स्वाइप हो गए हैं, तो अर्चना पूरन सिंह ने तुरंत कहा, 'इसे कैंसल कर दो। क्रेडिट कार्ड कंपनी को फोन करो।' इस पर परमीत सेठी ने उन्हें सुधारते हुए कहा, 'कार्ड मत कैंसल करो, पेमेंट कैंसल करो।' परिवार का यह रिएक्शन देखकर माहौल काफी हल्का-फुल्का हो गया। आर्यमान ने मजाक में आयुष्मान से कहा कि ये पैसे तुम मम्मा-पापा से मत लेना, जिस पर आयुष्मान ने सफाई दी कि उन्होंने तो यह सब पापा के लिए किया था।

पिछली गलतियों पर हंसी

यह पहली बार नहीं है जब आयुष्मान किसी स्कैम का शिकार हुए हैं। इससे पहले भी वे 80,000 रुपये की ठगी का शिकार हो चुके थे। अपनी पिछली गलतियों के कारण इस बार परिवार ने उनकी काफी खिंचाई की। अर्चना ने उनसे मजाक करते हुए पूछा कि वे इतने खुश क्यों दिख रहे हैं, जबकि पैसे उन्हीं के कटे हैं।

बता दें कि अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी की शादी 30 जून 1992 को एक गुपचुप समारोह में हुई थी, जिसे उन्होंने अपने करियर को बचाने के लिए 4 साल तक सबसे छिपाकर रखा था।

अमेरिका में प्लेन क्रैश, नॉर्थ डकोटा की प्रतिनिधि लिज कॉन्मी की मौत

• वाशिंगटन, एजेंसी

मिनियापोलिस के उत्तर में स्थित क्रिस्टल हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें नॉर्थ डकोटा की प्रांत प्रतिनिधि और विमान के पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीनेटर टिम मैथर्न ने स्थानीय अखबार ‘स्टार ट्रिब्यून’ से इस विमान हादसे में फार्गो निवासी प्रांत प्रतिनिधि लिज कॉन्मी की मौत की पुष्टि की।

नॉर्थ डकोटा डेमोक्रेटिक–नॉनपार्टिजन लीग पार्टी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि कॉन्मी सार्वजनिक शिक्षा, पर्यावरण और पारदर्शिता की सशक्त पैरोकार थीं। पार्टी ने ‘एक्स’ पर पोस्ट में कहा, “यह बेहद दुखद घटना है। प्रतिनिधि लिज कॉन्मी का जाना हमारे प्रांत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।”

ब्रुकलिन पार्क पुलिस निरीक्षक मैट राबे के अनुसार, शनिवार पूर्वाह्न 11 बजकर 51 मिनट पर विमान दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि मिनेसोटा के ब्रुकलिन पार्क शहर के एक पार्क में विमान गिरकर आग की लपटों में घिर गया था। राबे ने बताया कि विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि विमान में कितने लोग सवार थे। संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) के अनुसार, विमान में कुल दो लोग सवार थे। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने पुष्टि की है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान बीच एफ33ए मॉडल का था। जांच दल जल्द घटनास्थल पर पहुंचेगा।

हमले को ट्रंप ने ईरान युद्ध से जोड़ा, कहा- ये घटना मुझे जीतने से नहीं रोक सकती

• नई दिल्ली, एजेंसी

फायरिंग को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान आया है। वो यह कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं रोक सकती। यह घटना मुझे रोक नहीं पाएगी। ईरान युद्ध जीतने से नहीं रोक पाएगी मुझे यह घटना। कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर चल रही थी। वहां पर जैसे ही ये गोली की आवाजें हुई एक तो पूरे डोनाल्ड ट्रंप उनके कैबिनेट उनकी पत्नी मिलानिया ट्रंप को लेकर जिसमें जितने भी लोग वहां पर मौजूद थे। पीट हेगसेथ से लेकर कैश पटेल सबको वहां से निकाला गया। अमेरिका के अंदर एक अटैक होता है और डॉनल्ड ट्रंप इसको ईरान युद्ध से जोड़ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं जीतने से नहीं रोक सकती। अधिकारियों ने बताया कि 31 वर्षीय हमलावर कैलिफोर्निया से था, जिसे सीक्रेट सर्विस ने पकड़ लिया है। घटना के बाद ट्रंप ने ‘व्हाइट हाउस’ में संवाददाताओं को संबोधित किया और बताया कि संदिग्ध के पास कई हथियार थे। एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई। ट्रंप ने कहा कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारी को बहुत करीब से एक घातक हथियार से निशाना बनाया गया था। उन्हें गोली लगी लेकिन जैकेट ने अपना काम कर दिया।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें संदिग्ध को सुरक्षा अवरोधक के पास भागते हुए और सीक्रेट सर्विस के एजेंट को उसकी ओर दौड़ते हुए देखा जा सकता है।

घटना के बाद वॉशिंगटन हिल्टन के बैंक्वेट हॉल में सीक्रेट सर्विस और अन्य एजेंसियों के अधिकारी बड़ी संख्या में पंहुचे, जहां सैकड़ों अतिथि स्प्रिंग पी और बुराटा सलाद का आनंद ले रहे थे। उन्हें अचानक टेबलों के नीचे छिपने को मजबूर होना पड़ा। जैसे ही लोगों को स्थिति का एहसास हुआ, बॉलरूम में दहशत फैल गई। सैकड़ों पत्रकार सूचनाएं साझा करने के लिए फोन पर जुट गए। किसी को चिल्लाते हुए सुना गया हट जाइए, सर! जबकि कुछ लोग निर्देश दे रहे थे कि झुक जाइए।' एक कोने से गॉड ब्लेस अमेरिका की आवाजें भी सुनाई दीं। इसी बीच ट्रंप को मंच से सुरक्षित बाहर ले जाया गया। इस दौरान वह क्षण भर के लिए, संभवतः ठोकर लगने से, लड़खड़ाए और सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उन्हें तुरंत संभाल लिया। एक कानून-प्रवर्तन अधिकारी ने गोलीबारी की पुष्टि की।

बाल-बाल बचे

ट्रंप पर जानलेवा हमला, CIA एजेंट बचाई राष्ट्रपति की जान

• वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमले का प्रयास किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को टारगेट करने की कोशिश की गई है। ट्रंप पर हमले की कोशिश कैसे हुई? डिनर पार्टी में उपराष्ट्रपति जे डीवन समेत और कौन-कौन से प्रमुख लोग वहां पर मौजूद थे? दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत के अंदर गोलियां कैसे चल गई? सब कुछ आपको विस्तार से बताते हैं। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब दुनिया के सबसे हाई प्रोफाइल आयोजनों में से एक वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दी। यह वही इवेंट है जहां अमेरिका का राजनीतिक और मीडिया जगत एक ही छत के नीचे होता है। लेकिन इस बार माहौल हंसीज़ाक से सीधे डर और अफरातफरी में तब्दील हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक जैसे ही यह आवाजें गूंजी यूनाइटेड स्टेट सीक्रेट सर्विसेज तुरंत हरकत में आ गई। एजेंट्स ने बिना एक सेकंड गवाए डोनाल्ड ट्रंप को स्टेट से हटाया और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। उस समय उनके साथ जे डीवेंस और कई वरिष्ठ कैबिनेट के सदस्य भी मौजूद थे जिन्हें तुरंत कवर किया गया।

घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों के मुताबिक अचानक आई इन आवाजों ने पूरे हॉल में भगदड़ जैसा माहौल बना दिया था। कुछ वीडियो क्लिप्स में देखा जा सकता है कि कैसे लोग अपनी सीटें छोड़कर इधर-उधर भागने लगे और सुरक्षा एजेंसियां भीड़ को नियंत्रित करने में तुरंत जुट गई। हालांकि इन वीडियोस की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है लेकिन माहौल की गंभीरता इससे साफ झलकती है। इस बीच अधिकारियों के रेडियो कम्युनिकेशन से यह जानकारी सामने आई कि एक संदिग्ध शख्स को हिरासत में लिया गया है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया कि वास्तव में गोली चली थी या आवाज किसी और कारण से आई थी। लेकिन जिस तरह से सुरक्षा एजेंसियों ने रिएक्ट किया उसने पूरे मामले को और भी गंभीर बना दिया। घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डीसी में आज की शाम काफी हलचल भरी रही। सीक्रेट सर्विसेज और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने शानदार काम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि संदिग्ध को पकड़ लिया गया है और उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यक्रम जारी रखा जा सकता है। हालांकि अंतिम फैसला सुरक्षा एजेंसियों के हाथों में ही था। ट्रंप ने इसके साथ-साथ अमेरिकी सीक्रेट सर्विज की भी तारीफ की जिन्होंने सब कुछ अच्छे से संभाल लिया। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़े करती है कि क्या दुनिया के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले सिस्टम में भी सेंध लग सकती है? और अगर हां, तो इसके पीछे की असली वजह क्या है?

संक्षिप्त खबरें

ईरान ने अपनी अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा फिर से शुरू की

तेहरान। ईरान ने 28 फरवरी से बंद अपनी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया है। यह कदम अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के कारण लगभग दो माह तक हवाई क्षेत्र में रही बाधा के बाद उठाया गया है।

ईरानी नागरिक उड्डयन संगठन ने शनिवार को पुष्टि की कि अब मदीना और इस्तांबुल सहित प्रमुख स्थलों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं। यह 28 फरवरी के बाद देश का पहला अंतरराष्ट्रीय परिचालन है। उस समय अमेराका-इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर सैन्य हमलों के बाद हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार प्राधिकरण ने कहा, “देश के हवाई क्षेत्र को फिर से खोलने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बहाली के बाद मदीना और इस्तांबुल के लिए सेवाएं सफलतापूर्वक संचालित की गई हैं।”

अधिकारियों ने एक व्यापक विस्तार योजना की भी घोषणा की है। इसके तहत ईरान के विमानन नेटवर्क की चरणबद्ध बहाली के हिस्से के रूप में आने वाले दिनों में बगदाद, बाकू, दोहा और नजफ के लिए नए मार्ग शुरू होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि यह बहाली महीनों के बाद शुरू हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर किए गए हमलों के कारण हवाई क्षेत्र बंद हो गए थे, नागरिक मारे गए थे और व्यावसायिक परिचालन बड़े पैमाने पर निलंबित हो गए थे।

अगर बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रही तो कड़ा जवाब देंगे : ईरान

तेहरान। ईरान की सेना ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रही, तो वह जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रतिबद्ध है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

हजरत खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए ईरानी सशस्त्र बलों के पास अब ‘पहले से कहीं अधिक शक्ति और तत्परता’ है। मुख्यालय ने इसका संदर्भ देते हुए उन क्षमताओं का जिक्र किया, जिन्हें उसने ‘तीसरे थोपे गए युद्ध’ के दौरान प्रदर्शित किया था।

ईरानी सेना ने अमेरिका के इस कदम को ‘नाकेबंदी, डकैती और समुद्री लूट’ का नाम दिया है। कमांड ने अपने एक बयान में कहा कि अगर इस तरह की हरकतें जारी रहती हैं, तो अमेरिकी सेना को ‘ईरान के शक्तिशाली सशस्त्र बलों की ओर से कड़ा जवाब’ दिया जाएगा।

बयान में कहा गया कि ईरान क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है और रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है। उसने चेतावनी दी कि अगर आगे कोई और आक्रामकता दिखाई जाती है, तो ईरानी सेना उन ताकतों को और भी अधिक भारी नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार है, जिन्हें उसने अमेरिकी-जायोनी दुश्मन कहा है।

इस्लामाबाद में ईरान-पाक वार्ता समाप्त, क्षेत्रीय हालात और युद्धविराम पर चर्चा

इस्लामाबाद। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच इस्लामाबाद में उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हो गई। बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा हालात, संभावित युद्धविराम और कूटनीतिक प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विदेश मंत्री अराघची अपने क्षेत्रीय दौरे के तहत पाकिस्तान पहुंचे थे और इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ कई दौर की बातचीत की। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया।